वर्ष-11, अंक-48
इन्दौर, सोमवार
28 अक्टूबर से 3 नवम्बर
2024 तक पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

साप्ताहिक
# राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

**चाणक्य नीति**

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

## न्यूज ब्रीफ

### अमेरिकी बमवर्षक मध्य पूर्व में पहुंचा

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी बमवर्षक विमान बी-52 पश्चिम एशिया में पहुंच गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने यह जानकारी दी है। इससे पहले अमेरिका के रक्षा विभाग कहा था कि अमेरिका ने पश्चिम एशिया में एक विध्वंसक, बमवर्षक और लड़ाकू विमान भेजे हैं। रक्षा विभाग ने कहा था कि ये बल आने वाले महीनों में इस क्षेत्र में पहुंचने लगेंगे, जबकि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में वाहक हमला समूह प्रस्थान करने की तैयार है।

### हैरिस ने ट्रम्प बनायी तीन फीसदी की बढ़त

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका की उपराष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस आयोवा राज्य में अपने प्रतिद्वंद्वी एवं रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बढ़त बना ली है। एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार सुश्री हैरिस को 47 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है, जबकि श्री ट्रम्प को 44 फीसदी का समर्थन प्राप्त है। श्री ट्रम्प ने आयोवा में 2016 और 2020 में दो बार जीत हासिल की थी।

### केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद

श्री केदारनाथ धाम, (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट रविवार को भैया दूज के पावन पर्व पर प्रातः 08:30 बजे शीतकाल के लिए बंद हो गए। ऊँ नम् शिवाय, जय बाबा केदार के जय घोष तथा भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच वैदिक विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के साथ कपाट बंद किए गए।

### नाइजीरिया में सेना ने 187 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया

अबुजा, (एजेंसी)। नाइजीरिया की सेना ने पिछले सप्ताह देश भर में चलाये गये विभिन्न आतंकवाद विरोधी अभियानों में 187 से अधिक संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया और 262 अन्य को गिरफ्तार किया है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता एडवर्ड बुबा ने शनिवार को अबुजा में चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि 23 अक्टूबर से 29 अक्टूबर के बीच कुल 19 संदिग्ध आतंकवादियों ने अभियान के क्षेत्रों में सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

### रूसी वायु रक्षा ने रोस्तोव क्षेत्र में यूक्रेन के 16 ड्रोन को किया नष्ट

मॉस्को, (एजेंसी)। रूसी वायु रक्षा ने रोस्तोव क्षेत्र में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 16 ड्रोनों को नष्ट कर दिया। गवर्नर वासिली गोलुबेव ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा, वायु रक्षा बल दुश्मन के बड़े पैमाने पर हवाई हमले को नाकाम कर रहे हैं। फिलहाल रोस्तोव क्षेत्र के नोवोशारिंतस्क, कमेंरुक और उस्त-डोनेट्स्क जिले में 16 यूएवी नष्ट कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमले में कोई हताहत या क्षति नहीं हुई। सेना ने अपना काम कर रही है।

# भारत में नफरत नहीं बल्कि प्यार की राजनीति की जरूरत

## मेरे पिता के हत्यारों को भी गले लगाया प्रियंका ने

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा वायनाड लोकसभा उपचुनाव में उम्मीदवार हैं। प्रियंका गांधी और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आज वायनाड में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी से जुड़े किस्से को शेयर किया। राहुल ने प्रियंका के बचपन की पुरानी यादें शेयर करते हुए कहा कि प्रियंका वही इंसान हैं, जिन्होंने उसे लड़की को गले लगाया था जो मेरे पिता की हत्या में फंसी थी।

राहुल गांधी ने कहा कि आरोपी नलिनी से मिलने के बाद प्रियंका ने मुझसे कहा मुझे उसके लिए बुरा लग रहा है। राहुल ने कहा कि प्रियंका को यही शिक्षा मिली है। यह उस प्रकार की राजनीति है जिसे भारत में करने की आवश्यकता है। भारत में नफरत नहीं बल्कि प्यार की राजनीति करने की आवश्यकता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को इस बात पर जोर दिया कि आज देश में पहला संघर्ष संविधान की रक्षा और संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान

नफरत से नहीं, बल्कि विनम्रता और प्रेम से लिखा गया है। उन्होंने कहा, आज देश में जो मुख्य लड़ाई हो रही है, वह हमारे देश के संविधान की लड़ाई है। हमें जो सुरक्षा मिलती है, हमारे देश की महानता, वह सब संविधान से सामने आई है।

राहुल गांधी ने कहा, संविधान गुस्से या नफरत से नहीं लिखा गया था। यह उन लोगों द्वारा लिखा गया था जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी थी, जिन लोगों ने कष्ट सहे थे, जिन्होंने वर्षों जेल में बिताए थे। उन्होंने विनम्रता, प्रेम और स्नेह के साथ संविधान लिखा।

यह प्यार और नफरत के बीच की लड़ाई है। आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई। अगर आप वास्तव में इस लड़ाई को जीतना चाहते हैं, तो आपको अपने दिल से क्रोध को हटाकर, अपने दिल से नफरत को हटाकर और उसकी जगह प्यार, विनम्रता और करुणा को लाकर मदद करनी चाहिए।

वहीं प्रियंका ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने व्यापारिक मित्रों के लिए सब कुछ किया है। उन्होंने कहा, मोदी जी की सरकार केवल अपने बड़े व्यापारी मित्रों के लिए काम करती है।

### झारखंड में जबरदस्त टक्कर, हेमंत सोरेन का साथ देंगे आदिवासी मतदाता?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** झारखंड के विधानसभा चुनाव में आदिवासी बहुल सीटों को जीतने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन और बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन के बीच काटे का मुकाबला है। 81 सीटों वाली झारखंड की विधानसभा में 28 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। बीजेपी ने झारखंड के चुनाव में धर्मांतरण को मुद्दा बनाया है जबकि झामुमो और कांग्रेस ने सरना कार्ड खेला है। झारखंड में आदिवासी मतदाताओं की आबादी 26% है।

# पूर्व पीएम लालबहादुर शास्त्री की मूर्ति पर अज्ञात शख्स ने जूते रखे

## कांग्रेस नेताओं ने दूध से नहलाया

**भोपाल ।** मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर के सामने रोटरी पर लगी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर शनिवार शाम किसी अज्ञात शख्स ने जूते रख दिए. प्रतिमा के दोनों कंधों पर जूते रखे गए थे. जैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने जमकर नारेबाजी की. इसके साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा को दूध से नहलाया. इसके अलावा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. आपको बता दें कि प्रतिमा के पास

कमिश्नर ऑफिस, कंट्रोल रूम और राजभवन होने की वजह से यहां पुलिस का लगातार मूवमेंट रहता है, लेकिन इसके बावजूद प्रतिमा के साथ शरारत की गई.

**छत्तीसगढ़ में भीषण हादसा,**

# बेकाबू SUV तालाब में गिरी, बच्ची सहित 8 की मौत

**बलरामपुर।** छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में रात को हुई एक भीषण दुर्घटना में एक (स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन) अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी, जिससे उसमें सवार एक महिला व बच्ची समेत 8 लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बूढ़ा बगीचा मुख्य मार्ग पर स्थित लडुआ मोड़ पर शनिवार रात लगभग 8:30

बजे एक स्कॉर्पियो वाहन के तालाब में गिरने से उसमें सवार एक महिला और एक बालिका समेत छह लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि यह घटना तब हुई जब बलरामपुर जिले के लरिमा गांव के निवासी वाहन में सवार होकर पड़ोसी सूरजपुर जिला जा रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एसयूवी जब लडुआ मोड़ के करीब पहुंची तब वह अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस दल मौके पर पहुंचा और बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि वाहन में सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुलिस ने घायल वाहन चालक को बचा लिया।

### अमृतसर से हावड़ा जा रही ट्रेन में ब्लास्ट, चार यात्री घायल

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में अमृतसर से हावड़ा जा रही ट्रेन में धमाका हो गया। जिसमें चार यात्री घायल हो गए। धमाका गाड़ी के पिछे की तरफ जनरल बोगी में हुआ। बोगी में धुआं ही धुआं भर गया था। यह धमाका फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हुआ। धमाके की आवाज़ से यात्रियों के बीच दहशत फैल गई। गनीमत थी कि जिस वक्त धमाका हुआ ट्रेन की चाल धीमी थी, जिससे यात्री यात्री जान बचाने के लिए बाहर दौड़े। किसी ने छलांग लगाई तो कोई इमरजेंसी खिड़की तोड़कर बाहर निकला। घायलों को फतेहगढ़ साहिब के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रेन (13006 गाडी संख्या) अमृतसर से हावड़ा जा रही थी। रेलवे पुलिस और विभागीय अधिकारी भी आधी रात मौके पर पहुंचे।

**भारत का उड़ी हमले के बाद बड़ा निर्णय**

# बैसाखी से पहले बंद होगा पाकिस्तान जाने वाला रावी नदी का पानी

**कठुआ ।** वर्ष 2025 की बैसाखी तक पाकिस्तान को व्यर्थ बहने वाला रावी दरिया का पानी पूरी तरह से नियंत्रित हो जाएगा। इसके साथ ही देश की महत्वकांक्षीय परियोजनाओं में एक शाहपुर कंडी बांध परियोजना से अगले खरीफ सीजन में जम्मू-कश्मीर के कठुआ और सांबा जिले के खेतों को सिंचाई के लिए पानी मिलना शुरू हो जाएगा। बांध प्रबंधन के अनुसार आगामी सप्ताह से शाहपुर कंडी बांध के जलाशय को भरने की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इसके पहले चरण में गेट आदि की जांच भी शामिल है। सब सही रहा तो बैसाखी तक बांध का जलाशय भरने का काम पूरा हो जाएगा। ऐसे में जम्मू-कश्मीर के कंडी का एक बड़ा इलाका सिंचाई के पानी से अब वंचित नहीं रहेगा। शाहपुर कंडी बांध प्रबंधन के अनुसार अगले सप्ताह के भीतर शाहपुर कंडी बांध के जलाशय को भरने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इससे जम्मू-कश्मीर समेत, यूबीडीसीएल और पंजाब की नहरों को जाने वाला रावी दरिया का पानी नियंत्रित हो जाएगा।

### योगी को धमकी देने वाली फातिमा हिरासत में

**मुंबई।** मुंबई पुलिस को मैसेज भेजकर सीएम योगी को धमकी देने वाली महिला को हिरासत में लिया गया है. उसकी पहचान फातिमा खान के रूप में हुई है, जोकि आईटी ग्रेजुएट है. पुलिस का कहना है कि वो मानसिक रूप से अस्थिर है. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस और एटीएस ने एक महिला को हिरासत में लिया है. पुलिस का कहना कि महिला पढ़ी-लिखी और योग्य है, लेकिन मानसिक रूप से कमजोर है. आरोपी महिला ने मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में मैसेज किया था कि अगर योगी ने 10 दिनों के अंदर इस्तीफा नहीं दिया तो हम उन्हें बाबा सिद्दीकी की तरह मार डालेंगे. यूपी के सीएम के लिए धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद महाराष्ट्र ञ्जस, ठाणे पुलिस और मुंबई की वर्ली पुलिस जांच में जुट गई थी.

**मौलाना अरशद मदनी ने कही ये बड़ी बात**

# चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार वापस लेंगे मोदी सरकार से समर्थन?

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने रविवार को वक्फ बोर्ड संशोधन पर अपनी प्रतिक्रिया दी. दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के संविधान संरक्षण सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए मौलाना अरशद मदनी ने कहा, मुल्क में मौजूदा फिरकापरस्त जहनियत है. वक्फ बिल एक जरूरी मुद्दा है. हुकूमत जिन बैसाखियों पर चल रही है, उन बिहार के सीएम नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को दावत देता हूं कि मुसलमानों के जज्बात इससे कितना जुड़े हैं, ये वो अपने बंगलों में बैठ कर कभी नहीं समझ सकते. केंद्र में सत्ता की भागीदार ञ्छक्क मुखिया का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मैं

नायडू का शुक्रिया करता हूं. बीजेपी की हुकूमत को मुल्क के लोगों ने हरा दिया, लेकिन दो बैसाखियों पर बीजेपी की हुकूमत बैठी है. नवाब जान, ञ्छक्क के वाइस प्रेजिडेंट को नायडू साहब ने यहां भेजा है, जो यहां की बात को उनको बताएंगे. इस महीने के आखिर में हम 15 दिसंबर को नायडू के क्षेत्र में 5 लाख मुसलमानों को इकट्ठा करेंगे. अरशद मदनी ने TDP और जेडीयू को चेताते हुए कहा कि अगर ये कानून पास हो गया।

### गाजा में इजरायली हमला, 42 फिलिस्तीनियों की मौत

**गाजा (एजेंसी)।** इजरायली हवाई और तोपों के हमलों ने गाजा पट्टी के केंद्रीय हिस्से में स्थित नुसेरात शरणार्थी शिविर को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 42 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह जानकारी फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने दी। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इजरायली सेना ने नुसेरात में बसे घरों पर हवाई और तोपों से हमले शुरू कर दिए हैं। गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय ने इन हमलों की निंदा की है और कहा कि यह हमले जानबूझकर आम नागरिकों, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह इजरायल पर दबाव बनाए ताकि गाजा के नागरिकों पर होने वाले इन हमलों को रोका जा सके।

# श्रीनगर के संडे मार्केट में ग्रेनेड ब्लास्ट, 15 घायल

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के संडे मार्केट में रविवार दोपहर ग्रेनेड धमाका हुआ है. इस धमाके में कम से कम 15 लोगों के घायल होने की खबर है. सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यह धमाका टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर

यानी टीआरसी के पास हुआ है. आतंकियों ने यहां टीआरसी के पास सुरक्षा बलों के वाहन पर ग्रेनेड पर फेंका, जो सड़क पर गिरकर फट गया. सुरक्षा बलों की धमाके के बाद पूरे इलाके को घेर लिया और जगह-जगह तलाशी अभियान शुरू कर दिया है.

### 10 हाथियों की मौत का मामलाः बांधवगढ़ पहुंची हाई लेवल टीम, हाथियों के हमले में 2 की मौत

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा 10 हाथियों की मौत के बाद बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य में भेजी गई उच्चस्तरीय टीम को किसी भी तरह की साजिश का पता नहीं चला है। टीम के एक सदस्य ने यह जानकारी दी। मध्यप्रदेश के वन राज्य मंत्री प्रदीप अहिरवार अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक बरनवाल और वन बल के प्रमुख असीम श्रीवास्तव की टीम ने संरक्षित वन के अंदर घटनास्थल का दौरा किया। वहीं, शनिवार को गुस्साए हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत हो गई। वन्यजीव विशेषज्ञ अजय दुबे के अनुसार, देश में 72 घंटे की अवधि में दस हाथियों की मौत पहले कभी नहीं हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अहिरवार और दो शीर्ष नौकरशाहों को बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य भेजा और उनसे हाथियों की मौतों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। हाथियों की मौत राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में हैं।

### गुनगुनी धूप का आनंद

शीत की कंपाती सुबह में बैठ लें
चलो आँगन में बिछी खाट पर लेट लें
लें गुलाबी ठंड में गुनगुनी धूप का आनंद
आओ आसमान को बाहों में समेट लें
पत्तों की चरमराहट कि कोई आया है
मन किसी आवाज़ से भरमाया है
दूर दूर तक नहीं कोई परिंदा भी
शीत ने संसार को सूना सूना बनाया है
एकाकी भरम में निस्तब्धता को लपेट लें
आओ आसमान को बाहों में समेट लें
कहीं दूर से उठता धुआँ कहे कि कोई है
दूर दूर तक प्रकृति सुंदरता सी सोयी है
मन विचर रहा है संसार भर के एकांत में
ओस की बूंदें ज्यों सारी रात रोयी है
पोंछे आंसू धरती के सूरज गगन में बैठ के
आओ आसमान को बाहों में समेट लें
सारी सड़क सुनसान सी सूनी पड़ी है
राह में गहरे धुंध की बड़ी चादर खड़ी है
कुछ कहने लगा है बहती हवा का शोर
धरती सूरज के बीच चल रही आंखलड़ी है

जीवन के सब रंग प्रकृति संग समेट लें
आओ आसमान को बाहों में समेट लें

**डॉ टी महादेव राव**
**विशाखापटनम (आन्ध्रप्रदेश)**

**महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री ने अपनी आत्मकथा में फडणवीस पर लगाए गंभीर आरोप**

# हलफनामा देकर उद्धव ठाकरे, अजित पवार पर झूठे आरोप लगाने का डाला दबाव

**मुंबई, (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने अपनी आत्मकथा डायरी ऑफ ए होम मिनिस्टर में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। देशमुख ने डायरी में दावा किया है कि फडणवीस ने समीत कदम नामक व्यक्ति के जरिए उन्हें झूठा हलफनामा देने के लिए कहा था, जिसका उद्देश्य उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराना था। देशमुख के मुताबिक यह मामला उस समय का है जब फरवरी 2021 में मुकेश अंबानी के घर के बाहर एक संदिग्ध कार मिली थी। इस घटना के बाद मुंबई पुलिस के कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगे थे। उस दौरान मार्च 2021 में मुंबई पुलिस के तत्कालीन कमिश्नर परमबीर सिंह ने उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर देशमुख पर 100 करोड़ रुपए वसूली का आरोप लगाया था। इसके बाद सीबीआई ने देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया और नवंबर 2021 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया था। अपनी किताब में देशमुख ने लिखा कि अप्रैल 2021 में जब सीबीआई उनसे पूछताछ कर रही थी उस समय देवेंद्र फडणवीस ने उनसे संपर्क किया। फडणवीस ने समीत कदम को देशमुख के पास भेजा, जिन्होंने बताया कि ईडी जल्द ही मामले में शामिल होगी और कुछ सवाल पूछकर केस को खारिज कर देगी। कुछ दिनों बाद समीत कदम एक बंद लिफाफा लेकर देशमुख के पास आए, जिसमें एक हलफनामा था, जिसमें चार प्रमुख आरोपों का जिक्र किया गया था। पहले प्वाइंट में देशमुख को यह लिखना था कि उद्धव ठाकरे ने उन्हें मुंबई महा नगरपालिका चुनाव के लिए 300 करोड़ रुपए एकत्र करने के लिए बुलाया था। दूसरा प्वाइंट था कि आदित्य ठाकरे दिशा सलियन की मौत में शामिल था। तीसरे में अजित पवार पर तंबाकू उद्योग से पैसे वसूलने का आरोप लगाना था और चौथे में अनिल परब के दापोली स्थित साई रिजॉर्ट में निवेश को लेकर झूठा दावा करना था। देशमुख ने डायरी में लिखा कि उन्होंने समीत कदम से कहा कि यह हलफनामा एक हथियार है और वे किसी के खिलाफ झूठे आरोप नहीं लगाएंगे।

## सुविचार

उतने ही मित्र बनाएं जिनको आप समय दे सकें और जिनके दुःख - सुख में आप शरीक होने के लिए समय निकाल सकें। पीछे काम बिगाड़ने वाले और सामने मीठा बोलने वाले लोगों से बचें।

**- सुभाष चंद्र लखेड़ा, द्वारका, नई दिल्ली**

## संपादकीय

# आतंकवादी हमलों से उठते सवाल

*जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए केंद्र सरकार ने जो भी निर्णय लिए और जो भी कार्रवाई की उसका देश की जनता ने भरपूर साथ दिया। फिर चाहे वह अचानक नोटबंदी का कड़ा फैसला रहा हो या धारा 370 हटाने का सख्त कदम रहा हो। मुल्क के असली मालिकों ने इसे इसलिए सहर्ष स्वीकार कर लिया कि अब जम्मू-कश्मीर समेत देश में आतंकवादी घटनाएं सिरे से खत्म हो जाएंगी और सुख-शांति का पैगाम लिए देश के साथ ही जम्मू-कश्मीर भी तरक्की के रास्ते पर सरपट दौड़ सकेगा। पर अफसोस कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। इन हमलों में आमजन के साथ ही देश के जवान भी शहीद हो रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना न केवल क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को चिंताजनक बनाता है, बल्कि इससे राजनीतिक स्थिरता पर भी प्रश्नचिन्ह लग जाते हैं। हाल के दिनों में बडगाम, बांदीपुरा और श्रीनगर में आतंकवादियों द्वारा की गई फायरिंग की घटनाओं ने पुनः इस ओर सोचने पर मजबूर किया है कि आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे अभियानों में कहीं कोई बड़ी चूक तो नहीं हुई है। मौजूदा वक्त में जबकि भारत के पड़ोस समेत अनेक देश जंग के मैदान में उतरे हुए हैं, तब हमारे देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी कई चुनौतियां उभरी हैं। ऐसे में इस मामले को महज जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जोड़कर नहीं देखा जा सकता है। आतंकवाद की घटनाओं की पुनरावृत्ति होना वाकई एक गहरी चिंता का विषय है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश की सुरक्षा व गुप्तचर एजेंसियां फेल हुई हैं, बल्कि आतंकवाद को माकूल जवाब देने का सिलसिला भी जारी है। अनेक घुसपैठ और हमलों को नाकाम भी किया गया है। बावजूद इसके जिस तरह से आतंकवादियों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं, वह वाकई चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जवानों का हौसला बढ़ाने के लिए उनके बीच दीपावली पर्व मनाने पहुंचे, रक्षा मंत्री भी लगातार हौसला अफजाई करते देखे जाते हैं। ऐसे में आतंकवाद को तो जड़ से खत्म हो ही जाना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं के बढ़ने को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने जो कहा वह भी विचारणीय है। दरअसल फारूक अब्दुल्ला इन घटनाओं को एक संभावित साजिश के तौर पर देखते हैं। उनका कहना है कि इन आतंकी घटनाओं से यह संकेत मिलता है कि हमले केवल आतंकवादियों की गतिविधियां नहीं, बल्कि क्षेत्र की राजनीतिक स्थिरता को अस्थिर करने का प्रयास भी हो सकता है। अब चूंकि एक दशक के लंबे अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर में चुनाव हुए हैं और सरकार बनी है तो उसे अस्थिर करने पर भी चिंता जाहिर करना तो बनता ही है। दरअसल फारुक अब्दुल्ला ने यह सवाल उठाया है कि अचानक से हमलों का बढ़ जाना किस कारणवश है। पहले जहां स्थिति नियंत्रण में थी, अब वही क्षेत्र आतंकवादियों के निशाने पर कैसे और क्युंकर आ रहा है? यह बात महत्वपूर्ण है कि इस असामान्य स्थिति के पीछे क्या कारण हो सकते हैं। क्या ये हमले किसी साजिश का हिस्सा हैं? क्या इसके पीछे राजनीतिक दलों के बीच का द्वंद्व है? ऐसे प्रश्नों का उत्तर खोजना आवश्यक हो गया है। फारूक अब्दुल्ला के इस बयान से भी सहमति जताई जा सकती है कि हमलावरों को पकड़ना चाहिए ताकि यह मालूम चले कि इनके पीछे कौन है। यह सही है कि सिर्फ आतंकवादियों को मारना ही समाधान नहीं है; बल्कि उनकी पहचान और उनके नेटवर्क को भी तोड़ना जरूरी है। यहां यह समझने की जरुरत भी है कि जम्मू-कश्मीर की स्थिति के लिए आतंकवाद ही नहीं, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता और कूटनीतिक खेलों में भी छिपी हो सकती है। यह चिनौना खेल आतंकवाद को प्रश्रय देने से भी गुरेज नहीं कर सकता है, जिसकी पहचान होना भी जरुरी हो गया है। यहां सवाल यह भी उठता है कि इस बहाने राजनीतिक विरोधियों को निपटाने का खेल तो नहीं खेला जा रहा है? गैर-कश्मीरियों पर हुए हमले भी यही दर्शाते हैं कि आतंकवादी तत्व क्षेत्र में डर और दहशत का माहौल बनाना चाहते हैं। यह न केवल स्थानीय निवासियों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों से यहां काम करने या बसने के लिए आने वालों के लिए भी चिंता का विषय है। इस स्थिति से विकास कार्यों और निवेश पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवादी हमलों को केवल सुरक्षा दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक व्यापक राजनीतिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में समझना जरूरी है। यह समय है कि सभी संबंधित पक्ष एकजुट होकर इस गंभीर होती समस्या का समाधान खोजें, अन्यथा आतंकवाद केवल एक अस्थायी समस्या नहीं रहेगी, बल्कि यह लंबे समय तक क्षेत्र की स्थिरता को प्रभावित करती रहेगी। सुरक्षा बलों, राजनीतिक दलों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है ताकि जम्मू-कश्मीर में शांति और स्थिरता की पुनर्स्थापना हो सके।*

# पति-पत्नी के सम्बन्धों में मधुरता जरूरी है

**बाजार में कबीरा**

दिलीप मिश्रा
9329383048
Dl.ippmishra.guruji@gmail.com

इस संसार सागर में महिला एवं पुरुष एक गाड़ी के दो पहिए होते है, जिससे गाड़ी बराबरी से चलती है। अगर एक भी पहिया कमजोर हो जाता है तब गाड़ी वैसी नहीं चल पाती, जैसी चलना चाहिए। मगर देखने में यह आ रहा है कि पुरुषों के पथभ्रष्ट होने के चलते जो घरेलू या पारिवारिक गाड़ी होती है, वह अपने मार्ग से भटक जातीहै, फिर जैसा तालमेल मियां-बीवी में होना चाहिएवैसा नहीं बन पाता है और परिवार अपनी राहों से भटक कर क्या होना चाहिए और क्या हो जाता है।

उसीप्रकार अगर औरत अपनी मनमानी चलाती है।पुरुष की बातों को नजर-न्दाज करते हुए पारिवारिक विवाद खड़े करती है तो इससे कलह का पैदा होना स्वाभाविक ही है, जो दाम्पत्य जीवन को तो बर्बाद कर ही देती है, अगर बाल-बच्चे है तो उन पर भीइसका विपरीत असर होता है। उनकी लाइन लेथ परिवार के प्रतिकूल होकर बड़ी ही दुर्दशा को प्राप्त हो जाती है।

अतः यह जरूरी है कि स्त्री-पुरुष को अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाकर रखना जरूरी है। इसमें महिला एवं पुररुष को आपस में तालमेल बैठाकर चलना चाहिए अगर औरत मैं-मैं करतेहुए पूरे घर को सिर पर उठाकर रखती है और पुरुष खामोशी से उसके जरिए किए जाने वाले जुल्मों को बर्दाश्त करता रहता है, तबऔरत को यह नहीं सोचना चाहिए कि ऐसा हमेशा ही चलता रहेगा, जिस दिन आदमी की बर्दाश्त का घड़ा भर जाएगा, उस दिन ऐसा विस्फोट होगा कि पूरा आशियाना जलकर राख में तब्दील हो जाएगा। अच्छे-भले घर को सलामत रखने में ना तो औरत की मैं-मैं काम आएगी और ना ही उसकीगलत हरकतों को प्रोत्साहन देने वाले उसके नाते-रिश्तेदार कुछ कर सकेंगे। इसलिए वही घर गुले-गुलजार रह सकता है, जिसमें मिया बीवी परस्पर सहमति से हर काम को अंजाम देने के पहले उससे होने वाले लाभ-हानि पर विचार करके फिर कार्य की शुरुआत करेंगे और एक-दूसरे का सम्मान करना तथा एक-दूसरे की बातों को तवज्जो देते रहेंगे, क्योंकि कोई भी घर स्वर्ग तभी बन सकेगा, जब उसमें रहने वाले इस योग्यहोंगे कि वह अपने घर को सुन्दर से सुन्दर बनाने के लिए अपने दिल-दिमाग और जमीर में एक ख्वाहिश पैदा कर सकेंगे। मैंने ऐसे कई घर देखे हैं, जिनमें मिया-बीवी आपसी तालमेल बैठाकर रखते है। परस्पर सहमति से प्रत्येक कार्य को अंजाम तक पहुंचाते हैं और बच्चों के सामने कभी भीआपसी विवाद नहीं करते हैं।

ऐसे ही पति-पत्नी के घर लोगों के लिए उदाहरण बन जाते है और वह लोग परिवार और समाजों में इज्जत की निगाहों से देखे जाते है। यही हमारी परम्परा रही है कि मियां-बीवी को महादेव और पार्वती के समान एक-दूसरे पर विश्वास करना चाहिए और सारे कार्यों को बड़ी ही समझदारी से अंजाम तक पहुंचाना चाहिए। जिस प्रकार मर्यादा पुरुषोतम राम और त्याग की प्रतिमूर्ति मानी जाने वाली सीता के आपसी सम्बन्ध रहे हैं। उसी प्रकार प्रत्येक पति-पत्नी को एक-दूसरे को ग्राह्य करतेहुए अपना जीवन सुखमय बनाना चाहिए,क्योंकि परस्पर तालमेल ही दाम्पत्य जीवन का मूलाधार होता है। इस सत्य को हमेशा ही पकड़कर के रखना चाहिए। अगर आपसी विश्वास कायम है तो वहीं पर स्वर्ग में बदल सकता है।

अगर आपस में रोजबरोज चें-चे हुआ करेगी तो वह घर नर्क का माडल बन जाएगा। ऐसे तमाशे अक्सर ही सामने आते रहते हैं, जहां पर पति-पत्नी एक दूसरे की सूरत भीनहीं देखना चाहते औरआपस में एक-दूजे को नीचा दिखाने की करतूते किया करते है। वह सारा समय सिर्फ इसी काम में बर्बाद कर देते है कि कौन किसका कितना नुकसान कर सकता है। इससे जहां जीवन बर्बाद हो जाता है, वहीं दोनों की जिन्दगी नर्क बन जाती है।

मिलकर चलो परस्पर भाई यही जमाना कहता है।

तालमेल से जो रहतेहै, उन्हीं को आदर मिलता है।

कबीरा पति-पत्नी के सम्बन्धों में मधुरता जरूरी मानता है।

## व्यंग्य

# चिंताराम टेंशन में

सुबह-सुबह चिंताराम मेरे घर में पधारे। उनके चेहरे पर चिरपरिचित चिंता की रेखाएँ झलक रही थीं। कभी-कभी थोड़ी-बहुत दिखाई पड़ने वाली मुस्कान नदारद थी। मैं चौंक गया। खैर! मैंने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा-सुबह-सुबह अपने दर्शन देकर मेरा जन्म सफल कर दिया। कहिए मेरे लायक कोई सेवा हो तो! उन्होंने कहा-लगता है आपने संघीय वाट्सएप ग्रुप में दीनदयाल बाबू का मैसेज नहीं देखा है? मैंने उत्सुकतावश कहा - कहिए,सब कुशल मंगल है न? हमारी सरकार कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु- सीमा बढ़ाने जा रही है। -उन्होंने कहा। मैंने खुशी का इजहार करते हुए कहा -आपके मुँह में घी-शक्कर! देश प्रगति कर रहा है। वैज्ञानिक चाँद पर कब के चले गए हैं। भारतीयों की औसत आयु भी बढ़ गई है। देश का विकास दर का खूब विकास हो रहा है। स्टॉक मार्केट में शेयर के दाम बढ़ रहे हैं। आम आदमी की आमदनी बढ़ रही है। आम लोग खास बन बैठे हैं। जिधर देखो उधर सब कुछ बढ़ रहा है। यह बढ़ोतरी ही बता रही है कि देश में अमृत काल आ गया है। हमारी जनसंख्या दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती ही जा रही है। हमारे देश के सारे लखपति कब के करोड़पति बन गए, किसी को पता भी नहीं चला। कर्ज देनेवाले बैंकों से गली-मोहल्ले पट गए हैं। कर्ज लेनेवाले भी बढ़ गए हैं। गाँव शहर बन रहा है। जो गाँव अभी तक गाँव ही रह गए हैं,उस गाँव के लोग शहर की शोभा बढ़ा रहे हैं। मगर कर्मचारियों की रिटायरमेंट की आयु साठ पर ही अटकी हुई थी। यह कहाँ का न्याय था? जब हमारे राजनेता साठा पर पाठा होते हैं, तब बेचारे निरीह सरकारी सेवकों को

साठ बरस पहुँचते ही दूध की मक्खी समझ कर रिटायर्ड करा दिया जाता है। यह एकदम अनुचित था। मैंने जरा रुककर फिर से कहा-यह काम पहले हो जाना चाहिए था। मुझे याद आ रहा है रामप्रवेश बाबू का उदास चेहरा। बेचारे हमसे रोज पूछते थे कि क्या हो रहा है? मैं समझ जाता था कि वे सेवानिवृत्ति की आयु सीमा बढ़ने का सुखद समाचार सुनना चाहते हैं हमसे। व्याकुल आदमी का यह यक्ष-प्रश्न है। मैं भी उन्हें तोते की भाँति रटा-रटाया जबाव देता - %कुछ नहीं!वे %कुछ नहीं% कहने मात्र से सब कुछ समझ जाते। फिर वे कहते-अच्छा अब तो दो साल ही बचे हैं। यह दो साल घटते-घटते महीनों में आ गए और फिर बेचारे एक दिन नौकरी से रिटायर हो ही गए। चिंताराम ने कहा - कुछ लोग मरने के बाद भी सरकारी नौकरी छोड़ना नहीं चाहेंगे। मैंने कहा -सरकार जब कर्मचारियों के अनुभव का फ़ायदा उठाकर देश को प्रगति के पथ पर गतिमान करना चाहती है। इसमें हर्ज ही क्या है? हर भारतीय को हदय से सरकार के इस कदम का समर्थन करना चाहिए। उसने कहा-मगर उन बेरोजगारों का क्या होगा, जिनकी शादी नौकरी की आस में टलती जा रही है।

मैंने क हा-अरे भाई! शादी का लड्डू जो खाए वो भी पछताए,जो नहीं खाए वो भी पछताए। जोड़े तो ऊपरवाले बनाते हैं। ऐसे में नौकरी मिले या न मिले,जोड़े बनते रहेंगे और शहनाइयाँ बजती रहेंगी। मेरे जेहन में, एकाएक निरंजन जी का हताश और निराश चेहरा घुम गया। जो अगले महीने रिटायर्ड होने वाले हैं। उनके नालायक बेटे शायद अगले दो साल में लायक बन जाएँगे। मुझे लगता है यह समाचार सुनकर वे निश्चय ही पूरे ऑफिस के लोगों को लड्डू बाँटेंगे। मैंने प्रकट स्वर में चिंताराम से कहा-जिन्हें दो साल और नौकरी न करनी है वे स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति भी ले सकते हैं। उन्हें रोका कौन है, मगर सरकार जो अच्छा काम कर रही है,उसकी निंदा तो मत कीजिए!% चिंताराम ने कहा -देख लीजिएगा, यदि सरकार ने कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु -सीमा दो साल और आगे बढ़ाएगी तो विपक्ष को बैठे-बैठाए एक और मुद्दा मिल जाएगा। लोग कहेंगे कि सरकार बेरोजगारों पर ध्यान नहीं दे रही है। मैंने कहा-इस बात की क्या गारंटी है कि यदि सरकार कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा नहीं बढ़ाएगी तो विपक्ष चुप बैठा रह रहेगा। उनका काम ही है हल्ला करना। यदि वे हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे तो जनता समझेगी, देश ठीक -ठाक चल रहा है। देश ठीक ठीक चलता रहेगा तो उनके लिए सत्ता तक पहुँचने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे।और विपक्ष के नेता को सत्ता सुंदरी रुले नहीं लगा पाएँगी । चिंताराम की चिंता मेरी बातों से कम होने के बजाय बढ़ती ही जा रही थी। उन्होंने कहा-सच !सत्ता में बनने रहने के ये चोंचले है। नेताओं का मन रेवड़ियाँ बाँटने से नहीं भरा तो अब कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति का उम्र बढ़ाकर वोट पाने का जुगाड़ भिड़ा रहे हैं। इस देश का भगवान ही मालिक है।

**नवीन कुमार नवेंदु**
**बानो, सिमडेगा, झारखंड**

## व्यंग्य

# कट, कॉपी और पेस्ट

किसी छोटे से शहर में बसी एक काल्पनिक दुनिया थी, जहां संगीत का राज चलता था। यहाँ हर साल एक म्यूजिक फेस्टिवल होता था, जिसमें सारे गायक अपने नए गाने पेश करते थे। इस बार के फेस्टिवल में एक नया गायक, चंदू, बहुत उत्साहित था। उसने खुद को सुपरस्टार साबित करने की ठानी थी। चंदू ने एक नया गाना लिखा, जिसका शीर्षक था तेरे बिना जीना क्या?। गाने के बोल इतने साधारण थे कि कोई भी उसे गुनगुनाते हुए गा सकता था। गाने में बस तू और मैं का मेल था, और एक कूल डांस स्टेप जो उसने इंटरनेट पर देखा था। उसने सोचा, अगर लोगों को झूमने का बहाना मिल जाए, तो गाना हिट हो जाएगा। फेस्टिवल का दिन आया। चंदू ने अपने दोस्तों को बुलाया और उनकी मदद से रंग-बिरंगी रोशनी और बड़े-बड़े बैनर लगाए। जैसे ही उसका नाम पुकारा गया, वह स्टेज पर गया। वहां खड़े होकर उसने गाना शुरू किया। श्रोताओं ने पहली ही पंक्ति में ओ चंदू, तू तो लाजवाब है! की दाद दी। गाने के साथ-साथ चंदू ने अपने डांस स्टेप्स दिखाए। वह इधर-उधर झूम रहा था, और लोग उसे देखकर तालियाँ बजाने लगे। चंदू ने अपने दिल में सोचा, वाह! यह तो बेशुमार प्यार है! लेकिन जैसे-जैसे गाना आगे बढ़ा, उसने देखा कि कुछ लोग उसकी ओर ध्यान नहीं दे रहे थे। उसने अपना ध्यान बढ़ाया और जोर से गाना गाने लगा, तेरे बिना जीना क्या, तेरा मेरा रिश्ता क्या! इसी बीच, भीड़ में से एक आदमी चिल्लाया, ये तो वही गाना है जो पिछले साल भी हिट हुआ था! उसकी बात सुनकर चंदू का चेहरा उतर गया। उसने सोचा, क्या मुझे इसी बात के लिए मेहनत करनी थी? आखिरकार, जब गाना खत्म हुआ, तो श्रोताओं ने कुछ तालियाँ बजाईं, लेकिन वो जोश नहीं था जिसकी उसे उम्मीद थी। एक महिला ने कहा, यह तो पुराना सा गाना है। कुछ नया लाओ! चंदू के मन में यह बात घर कर गई। उसने अब महसूस किया कि उसका गाना एक साधारण धुन बनकर रह गया था। फेस्टिवल खत्म हुआ, और चंदू घर लौट आया। उसके दिमाग में एक ही सवाल घूम रहा था- क्या यही है संगीत का सच? उसने सोचा, क्या गाने का मतलब सिर्फ चकाचौंध और हरकतें करना है? इसी सोच में डूबा चंदू अगले दिन अपने पुराने गाने को फिर से सुनने लगा। उसमें जो गहराई और संवेदनाएँ थीं, वो उसे याद आईं। उसने अपने दिल की गहराइयों में जाकर एक नया गाना लिखा, तेरे बिना जीना क्या को एक नई पहचान दी। लेकिन अब तक, सभी ने उसे भूल चुके थे। दुखद अंत यह था कि चंदू की आवाज़ कहीं खो गई। वह सोचते-सोचते चुपचाप गाने लगा, तेरे बिना जीना क्या? लेकिन उसकी आवाज़ अब किसी को सुनाई नहीं दे रही थी। संगीत की इस चकाचौंध में, वह एक खोई हुई धुन बनकर रह गया, जिसे कोई नहीं सुन सका।

**डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त**

## कहानी

# डॉक्टर मनु बस्सी

तुम्हारे शहर का मौसम बड़ा सुहाना लगे, मैं एक शाम चुरा लूँ अगर बुरा न लगे, तुम्हारे बस में अगर हो तो भूल जाओ मुझे, तुम्हें भुलाने में शायद मुझे ज़माना लगे...।

मुझे याद आ रहा है कि कैसर-उल जाफरी की ये पंक्तियाँ पिछले बरस उन दिनों अक्सर ही मेरे ज़हन में उस वक़्त ज़रूर उभरती थी, जब मैं अपनी अर्धांगिनी सागरिका जी और दोनों पुत्रों अगस्त्य जी एवं औरव जी के संग रोज़ शाम को इस छोटे-से कस्बे चाँदपुर में अपने बचपन की स्मृतियाँ ताज़ा करते हुए घूमने निकल पड़ता था...हर रोज़ नया चेहरा हर रोज़ नया अफसाना, साथ में हों हम चारों और दिल हो यह दीवाना, प्यार मोहब्बत ही है दर्द-ए-दवा दिल की, ये सबने कहाँ समझा ये सबने कहाँ जाना?

यहाँ घूम कर और लोगों से मिल कर मुझे अक्सर शायर सुदर्शन फाकिर के शब्दों में यही अनुभूति हुई है कि ये दौलत भी ले लो ये शोहरत भी ले लो, भले छीन लो मुझ से मेरी जवानी, मगर मुझको लौटा दो वो बचपन का सावन, वो कागज की कश्ती वो बारिश का पानी... पर बीता हुआ समय कब लौट के आता है? लेकिन उन पलों के साथी रहे कुछ मित्रजनों से मिलकर हम अवश्य ही फिर से उसी वक़्त को जी लेते हैं।

यूँ तो हम इन दिनों भी चेन्नई से अपने इसी क्षेत्र में अवकाश पर आए हुए हैं, दरअसल सागरिका जी और बच्चे मुझे किसी भी तरह हंड्रेड परसेंट अपने संग ले जाकर ही दम लेते हैं... इसी बहाने से चलो देख ली दुनिया हमने...। इस बार किस्मत का यह सितम रहा कि यहाँ आने के पूर्व ही बड़ा पुत्र अगस्त्य हाई फीवर से ग्रस्त हो गया परन्तु टिकटें वग़ैरह सब हो चुकी थी, सो अगस्त्य की खस्ता हालत होने के बावजूद हम सब यहाँ की दीपावली यात्रा के लिए भगवान का नाम लेकर निकल पड़े। यहाँ आने के बाद सागरिका को फीवर आ गया, फिर मुझे। मैं कल शाम जब बाज़ार गया तो सोचा कुछ दवाई ले लूँ। मुझसे मिलते ही बीमारी की बात सुनते ही मेरे केमिस्ट मित्र ने कहा, यह तो इस मौसम का गिफ्ट है जो हर किसी को मिल रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही डेंगू का दौर खत्म हुआ है, अब वायरल का दौर चल रहा है। उन्होंने बताया कि वो खुद ही पिछले साल इन दिनों डेंगू से ग्रस्त हो गए थे। मन में आया कि पंकज उदास की गायी एक मशहूर ग़ज़ल को इस परिप्रेक्ष्य में कुछ यूँ गाया जा सकता है, आईये यह बुखारों का मौसम है, डेंगू वायरल मलेरिया का मौसम है, त्योहारों पर अनोखे उपहारों का मौसम है, आईये यह बुखारों का मौसम है...। दरअसल यह कस्बा चारों तरफ खेत-खलिहानों और आम, नीम, शीशम आदि के बड़े-बड़े वृक्षों से घिरा है और बड़े नगरों की अपेक्षा प्रदूषण भी कम ही है, सो यहाँ का मौसम भी बहुत अच्छा रहता है पर सर्दी के दिनों में बहुत ज्यादा सर्दी होती है। बस यूँ समझिए कि जनवरी और फरवरी के दो महीने तो बस किसी तरह निकालने होते हैं। मुझे अच्छे से याद है कि मेरे बाबा जी कहा करते थे कि कपडे आदि का उचित ध्यान रखकर सर्दी के महीने निकाल लो, वरना खुद के निकलने में देर नहीं लगेगी। बज़र्ग तो अक्सर उन दिनों में सिर्फ खाट पर बिस्तर में रजाई ओढ़े ही बैठे रहते हैं। लेकिन अभी तो दिन में अच्छी गर्मी हो रही है पर रात्रि को ठंड रहती है।

कार्तिक माह का असर तो होना ही है। जबकि हमारे यहाँ चेन्नई में तो मौसम प्रायः गर्म ही रहता है। बस हर वर्ष एक नए नाम के साथ आने वाले समुद्री तूफान के साथ होने वाली वर्षा से मौसम में अवश्य ही अंतर आ जाता है। कुछ वर्षों से तो उस वक़्त इतनी अधिक वर्षा होती है कि एकाएक ही जयशंकर प्रसाद याद आ जाते हैं- हिमगिरी के उत्तुंग शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छाँह, एक पुरुष भीगे नयनों से, देख रहा था प्रलय प्रवाह, नीचे जल था ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन, एक तत्व की ही प्रधानता, कहो उसे जड़ या चेतन...। बाज़ार से लौटते हुए हाल ही में बने एक नए प्राइवेट अस्पताल वाईटल हॉस्पिटल पर निगाह पड़ी तो मन में आया कि चलो इसकी भी कुछ जानकारी ली जाए और मैंने वहाँ जाकर ओपीडी आदि के विषय में जानकारी ली। हॉस्पिटल साफ़ सुथरा और आधुनिक लुक लिए अच्छा लग रहा था। मुझे अच्छा लगा कि चलो यहाँ भी एक आधुनिक तरीके का अच्छा हॉस्पिटल खुला। मुझे तब कहाँ पता था कि प्रकृति इसे आज मुझे किसी मकसद से दिखा रही है। घर आकर रात्रि का भोजन कर कुछ अध्ययन करने बैठ गया थोड़ी देर बाद ही छोटा पुत्र औरव मुझे देखने/मिलने आया तो मैंने देखा कि उसको हाई फीवर हो गया है। उसे तुरंत एक पैरासिटामोल देकर किसी तरह रात्रि निकाली। सुबह होते ही उसी वाईटल हॉस्पिटल में उसे दिखाने ले गए, जिसे मैं कल ही देखकर आया था और खुश हुआ था। प्रकृति इसी तरह मौन रहकर हमारा मार्गदर्शन करती है। मैं इसके प्रति अहोभाव से नतमस्तक हो गया। बहरहाल, हम वहाँ पहुँचे और सागरिका जी ने काउण्टर पर जाकर रजिस्ट्रेशन आदि की आवश्यक फॉर्मलिटीज पूरी कीं और थोड़ी देर बाद ही हम डॉक्टर मनु बस्सी जी के परामर्श कक्ष में उनके समक्ष बैठे थे। एकाएक ही मुझे वो चेहरा न जाने क्यों जाना-पहचाना-सा लगा। लेकिन मुझे याद आया कि हम पहली बार मिल रहे हैं। उनका मुस्कुराहट से खिला हुआ चेहरा देख मन प्रसन्न हो उठा-खिलता हुआ एक चेहरा, हँसते हुए सौ दरपन । उनसे बातें शुरू हुई तो ऐसा लगा ही नहीं कि हम पहली बार मिल रहे हैं। वो बहुत ही विनम्र और हँसमुख लगे। औरव से उन्होंने देर तक हँसी मज़ाक कर उसे खूब हँसाया और सारी हिदायतें बड़े प्यार से समझाते हुए उससे स्वीकृत करा लीं। मैंने उनसे कहा भी कि डॉक्टर साहब आप बाल मनोविज्ञान में निष्णात हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, आज हर कोई बहुत स्ट्रेस में रहता है। सबसे पहले स्ट्रेस को खत्म करना जरूरी है। उसके खत्म होते ही सब जल्दी से ठीक हो जाता है। उनसे परिवारिक पृष्ठभूमि के विषय में बात चली तो ज्ञात हुआ कि वह हमारे स्कूली जीवन के सीनियर मित्र राजेंद्र भाई के भतीजे हैं।

फिर उनसे हमने परिवार की कुशलक्षेम पूछी और उनसे यहाँ हॉस्पिटल बनाने के विषय में पूछा तो उन्होंने बताया कि यह उनके बाबा जी का सपना था कि परिवार में कई डॉक्टर होने के बावजूद कम से कम एक डॉक्टर तो यहाँ इस कस्बे में रहे और इसके लिए कुछ करे। डॉक्टर साहब खुद भी मानवीय संवेदनाओं और पुराने मूल्यों से सरोकार रखते हैं, शायद इसीलिए उन्होंने अपने बाबा जी के सपने को पूरा किया। यह सब कुछ अब बड़े नगरों/महानगरों के जीवन में कहाँ संभव है? ज़िंदगी का एक बड़ा हिस्सा ट्रेवलिंग में ही निकल जाता है। सच में देखा जाए तो वहाँ तमाम भीड़ में भी आदमी अकेला ही तो है-हर तरफ हर जगह बेशुमार आदमी, फिर भी तन्हाइयों का शिकार आदमी, हर तरफ भागते दौड़ते रास्ते...! हर तरफ आदमी का शिकार आदमी, ज़िन्दगी का मुकद्दर सफर-दर-सफर, आखिरी साँस तक बे-क़रार आदमी (निदा फ़ाजली)। लिहाजा उन्होंने यहाँ हॉस्पिटल बनवा लिया है और सपरिवार यहाँ अपने परिजनों के मध्य आनन्द से रह रहे हैं। ईश्वर की कृपा से आज पास सब कुछ ठीक चल रहा है और किसी बात की कोई चिन्ता नहीं है। उसके जीवन अनुभव सुनते हुए निदा फ़ाज़ली स्मरण हो आए-हरेक कश्ती का अपना तजुर्बा होता है दरिया में, सफर में रोज ही मँझधार हो ऐसा नहीं होता, कहानी में तो किरदारों को जो चाहे बना दीजे, हक़ीकत भी कहानीकार हो ऐसा नहीं होता। आज उनसे मिलकर बहुत अच्छा लग रहा था और समय तो मानो पंख लगाकर उड़ता चला जा रहा था..अंततः विदा के पल आ गए और फिर दीपावली की शुभकामनाओं और धन्यवाद के साथ मैंने चलते हुए कहा, आप जैसे लोगों के यहाँ होने से चाँदपुर का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, नाइस टू मीट यू और हम उनसे विदा लेकर आ गए।

घर लौटते हुए सागरिका औरव से बातें कर रही थी और मैं निदा फ़ाज़ली जी की इन पंक्तियों को गुनगुनाता हुआ चला जा रहा था-खिलता हुआ एक चेहरा, हँसते हुए सौ दरपन, इठलाती हुई गलियाँ, शरमाते हुए आँगन, हर पेड़ कोई किस्सा, हर घर कोई अफ?साना, हर रास्ता पहचाना, हर चेहरे पर अपनापन...।

**प्रो. डॉ. सारिका मुकेश**

## विचार प्रवाह

# गृहस्थ जीवन के प्रति वफ़ादारी ही आध्यात्म है

गृहस्थ एक तपोवन है। इसमें रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए अपने जीवन को साधनामय बना सकते हैं। जिस प्रकार कुम्हार साफ जगह की मिट्टी लाकर उससे कंकर पत्थर साफ करता है फिर पानी डालकर गूंधता है। मिट्टी को आकार देकर उसे आवे में पकाता है।

गृहस्थ जीवन भी कुछ ऐसा ही होना चाहिए। नियमित दिनचर्या अपनाइए। अभ्यास से कुछ भी कठिन नहीं है। सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होकर संध्या उपासना कीजिए। भगवान को अपना माता पिता मानकर उनसे भावनात्मक सम्बन्ध स्थापित करें। अपने दोष दुर्गुणों पर कठोर दृष्टि रखिए। भोजन भगवान का प्रसाद समझकर धैर्य पूर्वक करें। क्रोध और अहंकार से दूर रहें। हर परिस्थिति में मुस्कुराते रहिए। जीवन में सरलता को स्थान दीजिए। माता पिता, पत्नी, बच्चों के साथ शालीनतापूर्वक रहें। प्रायः पत्नियां सारा दिन काम में व्यस्त रहती हैं। घर के कामों में उनका हाथ बंटाएं तो यही उत्तम रीति की साधना होगी । पति व पत्नी गृहस्थ के ब्रह्मचर्य व्रत का जीवन मे पालन करते हुए। सत्य न्याय नीती व धर्म के मार्ग पर चलकर। देवीसंपदा व सतोगुण मे स्थित होकर ।

गृहस्थ जीवन मे परमात्मा की साधना पुजा पाठ यज्ञ हवन जप भक्ति व धार्मिक ग्रंथो का स्वाध्याय व ध्यान योग के मार्ग पर चलकर। गृहस्थ जीवन मे परब्रह्म परमेश्वर की साधना करते है । व इस सत्य मार्ग पर चलकर अपने जीवन मे परब्रह्म परमेश्वर का साक्षात्कार कर। मोक्ष के अधिकार को प्राप्त कर लेते है । प्रमाण सभी प्राचीन काल के ऋषि मुनि व राजा जनक आदि । इन सभी ने गृहस्थ जीवन मे रहकर परब्रह्म परमेश्वर को प्राप्त किया है अपने जीवन काल मे । प्रमाण रामायण महाभारत योग वाशिष्ट। भगवत गीता श्रीमदभागवत पुराण देवीभागवत पुराण मार्कण्डेय पुराण शिव पुराण स्कन्द पुराण ।

शिव गीता अषटावक्र गीता ब्रह्म गीता। चारो वेद छहो शास्त्र मनु स्मृति याज्ञवल्क्य स्मृति। यह सभी वैदिक सनातन आर्य हिन्दू धर्म के प्राचीन व प्रमाणिक सनातन धर्म ग्रन्थ ।हर बड़े संत महात्माओं का कहना हैं गृहस्थी जीवन ही सर्वश्रेठ हैं। मेरी भी सहमति भी इसी में हैं।परन्तु वो खुद ब्रह्माचारी जीवन कियों जीते हैं। उन्होंने अपना गृहस्थी जीवन क्यों छोड़ा?

**तपना दोनों को पडता है। गृहस्थ हों या संन्यासी।**

गृहस्थ का परिवार होता है। यह परिवार सहारा भी है,जिम्मेदारी भी है, इसलिए बन्धन भी है।संन्यास में व्यक्ति स्वतंत्र होता है,वह इच्छानुसार इष्टसाधना कर सकता है। खाने कमाने की चिन्ता नहीं होती अतः जिस समय, जितना समय चाहें, वे ईश्वर का ध्यान लगा सकते हैं। अतः वे संन्यास आश्रम में रहकर ईश्वर से तादात्म्य स्थापित करते हैं। यह सामान्य व्यक्ति नही कर सकता अतः जनसाधारण के लिए गृहस्थ ही उत्तम है।आध्यात्म और गृहस्थ जीवन एक साथ क्यों नहीं चल सकते? सिद्ध योग जिसमें रोज 15 मिनट सुबह शाम ध्यान का विधान है उसे गृहस्थ होते हुए भी आराम से कर सकते हैं और यह इतनी प्रभावी है कि इसी जन्म में मोक्ष तक प्रदान करवा सकती है।

यह संत श्रीरामलालजी सियाग द्वारा आमजन के लिए प्रकाश में आई है जिसे विश्व स्तर पर दुनिया करती है। इसे परिवार में साधक आराम से कर सकता है और उसके भौतिक जीवन में काफी सुधार दिखने लगता है और पूर्व कर्म वश जो भोगना है वह कमजोर हो जाता है जिसे जीवन में विघ्नों का अभाव होता जाता है और जीवन शांत और सुखी बनता जाता है। साथ ही बॉडी के विभिन्न स्तरों पर प्रोग्रेस होती जाती है और साधक परिवार में रहते हुए भी दिव्य अनुभूतियां प्राप्त करने लगता है। उसके व्यवहार में उल्लेखनीय बदलाव दिखने लगता है। उसे देवी देवताओं की झलकें दिखने लगती है। कुछ परिपक्वता आते ही खुली आंख से ही समाधि लगने लगती है।

समाधि में और भी उच्च अनुभूतियां शुरू हो जाती है। ध्यान दें कि इसमें साधक की आध्यात्मिक विकास का कोई नियत समय नहीं है। एक साधक बीस साल में जो पाता है दूसरा उसे एक साल में पा सकता है क्योंकि पूर्व जन्म के संस्कार बहुत खास बात है। इस साधना को करने के बाद किसी का अगर साधक पर किया कराया हो ब्लैक मैजिक आदि तो वह खुद ही दूर हो जाता है। नकारात्मक व्यक्ति दूर हो जाते हैं। सकारात्मक लोग सर्किल में आने लगते हैं। यह सब मेरी अनुभव की हुई पंक्तियां हैं जो सीमित मात्रा में जवाब में लिखी गई हैं।

**ऊषा शुक्ला**
**इफ़को आँवला बरेली यूपी**

# मुगलों को धूल चटाने वाले शौर्य और शासको के बलिदान से रूबरू हुए आम से खास

## इन्दौर स्थापना दिवस समारोह समिति द्वारा 293 वां बलिदान दिवस पर आर्मी वेलफेयर फंड में सहायता राशि दान की

इन्दौर । इन्दौर शहर के संस्थापक एवं स्मार्ट सिटी इन्दौर के जनक श्री राव राजा नंदलाल मण्डलोई जमींदार का 293 वां बलिदान दिवस आज मनाया गया। जूनी इन्दौर स्थित श्री संस्थान बड़ा रावला महल परिसर को राजशी ठाट बाट से सजाया गया। साज-सज्जा के साथ ही राव राजा राव नंदलाल मण्डलोई की गादी व उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओ के माध्यम से इंदौरियों ने अपने शहर के शौर्य के प्रतिको को करीब से देखा।

यह सभी दुर्लभ चीजें व इन्दौर के इतिहास को बयां करने वाली वस्तुएं आम नागरिकों को देखने को मिली। बलिदान दिवस के आयोजन की शुरुआत दौलतगंज व चम्पाबाग स्थित छत्रियों के सामूहिक पूजन से हुई । एक अनोखे अंदाज में इस दिन की सार्थकता बनाने के लिए एक अभिनव पहल की गई जिसमें वीर शहीदों के परिवारों की सहायता के उद्देश्य से वेलफेयर फंड में सहयोग राशि भी भेजी गई। 1731 ई.के तिरला युद्ध में मुगलो को पछाड़कर इंदौर की आन बान शान को न केवल सुरक्षित करने वाले योद्धा व दूरदर्शिता रखते हुए टैक्स फ्री जोन का निर्माण कर इंदौर के व्यापार-व्यवसाय को आसमान तक पहुंचाने वाले शासक श्री राजा राव नंदलाल जी मंडलोई की गाथा जानकर इंदौरी जहां भाव विभोर हो रहे थे वहीं ढाई सौ साल पुरानी राजगद्दी, पालकी और अस्त्र-शस्त्र देखकर रोमांच का अनुभव कर रहे थे।

इन्दौर स्थापना दिवस समारोह समिति के युवराज वरदराज मण्डलोई जमींदार, राव राजा श्रीकांत मण्डलोई जमींदार, रानी साहिबा माधवी मंडलोई एवं राजाबाई श्रिया जमींदार ने विद्वान पंडितों के सान्निध्य एवं मुख्य अतिथियों के आतिथ्य में दौलतगंज एवं चम्पाबाग की छत्रियों का सामूहिक पूजन किया। पूजन के दौरान क्षेत्रीय रहवासियों के साथ ही गणमान्य नागरिक भारी तादाद में उपस्थित थे। बड़ा रावला परिसर में राव राजा राव नंदलाल मण्डलोई की गादी व चित्र पूजन के बाद शहर के इतिहासकारों ने राव राजा राव नंदलाल मण्डलोई के शहर हित में किए गए कार्यों के साथ ही उनके इतिहास के बारे में शहर के युवाओं को भी जानकारी दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी शैलेष जी वर्मा, दिलीप जी मकवाना, भवानी शंकर मकवाना एवं अन्य स्वयंसेवक तथा इन्दौर स्थापना दिवस समारोह समिति के सचिव राजेश पाठक, डॉ. महेन्द्र व्यास, हेमेन्द्र पाठक, श्रीमती वसुन्धरा पंडित, श्रीमती ज्योति मण्डलोई एवं अन्य सदस्य एवं सियागंज स्थित बोहरा मस्जिद के आमील सा., शब्बीरभाई बैगवाला, शेख मंसूरभाई रंगूनवाला, सचिव काईद घड़ीवाला, सह-सचिव मोईज स्टेशनवाला, बुरहान कोटावाला, खोजेमा होटलवाला, शेख मोईज भाई अख्तार साथ ही श्री संस्थान स्टॉफ के सदस्य सर्वश्री नंदकिशोर यादव, रविन्द्र दीक्षित, रमेशचंद्र अग्रवाल, नितीन जोशी, राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, नितेश सिकरवार, राजेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे।

### सार्थक पहल शहीद का परिवार हमारा परिवार

युवराज वरदराज मण्डलोई जमींदार ने बताया कि बलिदान दिवस के अवसर पर बड़ा रावला परिसर में शहीद परिवारों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाता रहा इस वर्ष समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि सम्मान समारोह न करते हुए शहीद परिवारों की आर्थिक सहायता की जाए एवं सम्मान समारोह में खर्च होने वाली राशि को आर्मी वेलफेयर फंड में दी जाए जिससे शहीद परिवारों की मदद हो सके। बलिदान दिवस के मौके पर देशहित में वीरगति प्राप्त करने वाले शहीदों को भी याद किया गया ,दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

### दूरदर्शी शासक थे राव राजा राव

युवराज वरदराज मण्डलोई जमींदार ने बताया कि राव राजा राव नंदलाल मण्डलोई ऐसे दूरदर्शी शासक थे जिन्होंने उस दौर में टैक्स फ्री जोन की स्थापना कर इन्दौर को व्यापार के केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया था। तिरला के विश्व प्रसिद्ध युद्ध में राव राजा राव नंदलाल मण्डलोई ने अपनी फौज के साथ मुगलों से युद्ध किया तथा विजयी हुए। जिसमें उनके 12,000 सैनिक शहीद हुए थे। तत्पश्चात दो दो महीने बाद उन्होंने देह त्यागी थी। राव राजा की इस गादी पर वर्तमान में राव राजा राव श्रीकांत मण्डलोई जी प्रतिष्ठित हैं।

# अकेलेपन की भावनाएं भी बनती है टाइप-2 डायबिटीज का कारण

## तजा अध्ययन में हुआ बड़ा खुलासा

इंदौर। अकेलापन और टाइप-2 डायबिटीज- नया अध्ययन करता है एक गंभीर संबंध का खुलासा हालिया अध्ययन के निष्कर्षों ने यह साबित किया है कि अकेलेपन की भावनाएं टाइप-2 डायबिटीज (टी2डी) के विकास के पीछे एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती हैं।

डायबेटोलोजिया रिसर्च में अकेलेपन और टाइप-2 डायबिटीज के बीच संबंध की जांच की गई है, जिसमें अवसाद (डिप्रेशन) और अनिद्रा के प्रभावों का भी मूल्यांकन किया गया है। बदलते जीवन परिवेश और बढ़ते तनाव के कारण टाइप-2 डायबिटीज के मामलों में वृद्धि हो रही है। अकेलापन एक ऐसी मानसिक स्थिति है, जो कभी-कभी लंबे समय तक बनी रह सकती है और इससे कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। जब कोई व्यक्ति अकेला महसूस करता है, तो शरीर की तनाव प्रक्रिया सक्रिय हो जाती है, जिससे टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ता है।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि अकेलेपन के कारण खाने की आदतों में बदलाव आ सकता है। अकेले लोग अधिक कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने लगते हैं, जिससे ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है। इससे पहले हुए अध्ययनों में भी यह देखा गया है कि अकेलेपन की स्थिति में शर्करा युक्त पेय पदार्थों का सेवन बढ़ता है, जिससे डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है।

इस अध्ययन के लिए 24,024 लोगों का सर्वेक्षण किया गया। इसमें यह देखा गया कि पिछले दो सप्ताह में लोगों ने कितनी बार अकेलापन महसूस किया और इसके स्तर का क्या असर हुआ। अवसाद के लक्षणों की गंभीरता का आकलन करने के लिए एक प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसमें 7 प्रश्न शामिल थे। इस प्रश्नावली में उच्च अंक गंभीर अवसाद के लक्षणों को दर्शाते हैं। अकेलेपन और अनिद्रा की जांच के दौरान, 1,179 प्रतिभागियों में टाइप-2 डायबिटीज के विकसित होने के संकेत पाए गए। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने अधिक अकेलापन अनुभव किया, उनके लिए टाइप-2 डायबिटीज का खतरा अधिक था।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि अकेलेपन का प्रभाव न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर पड़ता है, बल्कि सामाजिक व्यवहार और लोगों के साथ जुड़ाव पर भी इसका गहरा असर होता है। कम सामाजिक संबंध और सकारात्मक प्रभावों की कमी अकेले लोगों के व्यवहार को और अधिक संवेदनशील बना सकती है।

# जेल में बंद गर्भवती महिला को दी हाइकोर्ट ने जमानत, दीपावली अवकाश में विशेष सुनवाई

इन्दौर। मप्र हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की मंजूरी के बाद हाई कोर्ट इंदौर बेंच में जस्टिस विनय सराफ की एकल पीठ ने दीपावली अवकाश में विशेष सुनवाई कर जेल में बंद गर्भवती महिला नाजनीन खान द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के बाद उसको जमानत दे दी।

गर्भवती महिला नाज़नीन खान ने जमानत के लिए जमानत अर्जी लगाकर अर्जेन्ट सुनवाई की गुहार लगाई गई थी। हालांकि शासन की ओर से अधिवक्ता भुवन गोतम ने जमानत देने का विरोध किया था। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट अजय बागड़िया ने तर्क रखते हुए कहा कि घटना के समय वह मौके पर नही थी और न ही एफआईआर में उसका नाम है। इसके बावजूद उसे गिरफ्तार किया गया। वह गर्भवती है और उसके चार और एक साल के दो छोटे बच्चे हैं। सभी के तर्क सुन कोर्ट ने आरोपी नाजनीन खान को जमानत दे दी।

प्रकरण कहानी संक्षेप में इस प्रकार है कि गत 17 अक्टूबर की रात को याचिकाकर्ता का पति एजाज शिकायतकर्ता संजय के घर के बाहर मोबाइल फोन पर बात कर रहा था। आरोप है कि बातचीत में वह गंदी भाषा का इस्तेमाल कर रहा था। इस पर शिकायतकर्ता की मां ने आपत्ति ली तो एजाज और उनमें कहासुनी हो गई।

इसके बाद एजाज अपने भाई और 10-12 लोगों को बुला लाया और शिकायतकर्ता पर लाठी, पत्थरों से घर में घुसकर हमला कर शिकायतकर्ता और उसकी मां को गंभीर घायल कर दिया। रिपोर्ट पर संयोगितागंज पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अन्य के साथ एजाज की पत्नी (याचिकाकर्ता) को भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार कर लिया था।

# अक्टूबर में 7 बैंकों ने एफडी ब्याज दरों में संशोधन किया

## 8.8 फीसदी तक ब्याज कमाने का मिलेगा मौका

इंदौर। अक्टूबर 2024 में शिवॉलिक स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडसइंड बैंक, फेडरल बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और पंजाब नेशनल बैंक सहित 7 बैंकों ने अपनी एफडी ब्याज दरों में संशोधन किया है। शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 24 अक्टूबर को बैंक ने ब्याज दरों में बदलाव किया था।

बैंक की तरफ से एफडी पर ग्राहकों को 3.5 फीसदी से 8.3 फीसदी तक का ब्याज जबकि वरिष्ठ नागरिकों को बैंक की तरफ से 4 फीसदी से लेकर 8.8 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज 18 महीने से 24 महीने की अवधि की एफडी पर दिया जा रहा है, जो आम ग्राहकों के लिए 8.30 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8.80 फीसदी है। इंडसइंड बैंक ने 7 अक्टूबर को बैंक ने ब्याज दरों में बदलाव किया था। बैंक की तरफ से आम ग्राहकों को एफडी पर 3.5 फीसदी से लेकर 7.75 फीसदी जबकि वरिष्ठ नागरिकों 4 फीसदी से लेकर 8.25 फीसदी तक तक का ब्याज दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज 1 साल से 2 साल तक की टैन्योर वाली एफडी कराने पर दिया जा रहा है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की नई दरें 16 अक्टूबर से लागू हैं। बैंक की तरफ से ग्राहकों को 3 फीसदी से लेकर 7.75 फीसदी तक का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। बैंक की तरफ से सबसे ज्यादा ब्याज 7.75 फीसदी 400 से 500 दिन की अवधि की फिक्स्ड डिपॉजिट पर दिया जा रहा है।

फेडरल बैंक की नई एफडी दरें 16 अक्टूबर से लागू हैं। बैंक की तरफ से ग्राहकों को 3 फीसदी से लेकर 7.4 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा ब्याज 777 दिन की अवधि की एफडी पर 7.40 फीसदी ऑफर किया जा रहा है। बैंक ऑफ बड़ौदा की नई एफडी दरें 14 अक्टूबर से प्रभावी हैं।

बैंक की ओर से ग्राहकों को 4.25 फीसदी से लेकर 7.30 फीसदी तक का ब्याज दिया जा रहा है। एफडी पर वरिष्ठ नागरिकों को 0.50 फीसदी का अ?ति??रिक्त ब्याज दिया जा रहा है। पंजाब नेशनल बैंक आम ग्राहकों के लिए 7 दिनों से 10 सालों की अवधि के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक की एफडी दरें दे रहा है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए बैंक 4 फीसदी से 7.75 फीसदी तक की ब्याज दरें और सुपर वरिष्ठ नागरिकों के लिए 4.30 फीसदी से 8.05 फीसदी तक की ब्याज दरें प्रदान करता है। ये दरें 1 अक्टूबर 2024 से प्रभावी हैं। पंजाब एंड सिंध बैंक सामान्य नागरिकों के लिए 7 दिनों से 10 सालों की अवधि के लिए कॉलेबल डिपॉजिट पर 4 फीसदी से 7.45 फीसदी तक की एफडी दरें ऑफर कर रहा है।

बैंक 555 दिनों की अवधि के नॉन-कॉलेबल डिपॉजिट पर 7.50 फीसदी की सबसे ज्यादा ब्याज दर दे रहा है।

## बालाजी स्काईज निपानिया सोसायटी में मनाया गया भाई दूज का पर्व

इंदौर। बालाजी स्काईज निपानिया सोसायटी निवासी बियानी और राठी परिवार की बहनों ने अपने घर आए भाइयों को स्नेह का मंगल टीका ललाट पर लगाया। इस अवसर पर भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार दिए और प्यार की इस अनोखी भावना को मजबूत किया। भाई-दूज पर्व के साथ ही महापर्व का समापन हुआ और दीपोत्सव अवकाश भी समाप्त हो गया। अब फिर से सभी गतिविधियों के साथ दफ्तर शुरुआत होगी और जीवन की राहुलता बहाल होगी। इस पावन अवसर पर सोसायटी के निवासियों ने एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं और इस त्योहार की महत्ता को समझने का प्रयास किया। भाई दूज का यह पर्व भाई-बहन के प्यार का प्रतीक है और इसे मनाने से हमें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने की प्रेरणा मिलती है।

## जन मन की गणना

आदमी से अधिक महत्वपूर्ण होता है उसका अहम। कहीं कहीं पहचान भी अधिक असर करती है। भाव देना जैसे वाक्यांश को देखें अगर, अपनी पार्टी में किसी को भाव नहीं दिया जा रहा है, उसके महत्व को पहचान नहीं रहे हैं, तो सहज है उसके अहम को चोट लगेगी। अहम को मैं स्वाभिमान से अलग मानता हूं। स्वाभिमान से दो कदम आगे अहम या अहंकार होता है, जो वाई फाई की तरह चारों ओर फैला होता है। कुछ पा लेने की लालच, कहीं कुर्सी हथियाने की दुराशा, पुरानी पार्टी से निराशा, नई पार्टी में स्वयं की पहचान के लिए हटता कुहासा - सारा कुछ पार्टी बदलने या कहें कूद फांद करने को विवश करते हैं। नेता अपनी गणना या हिसाब करके उसके अनुसार एक पार्टी त्याग कर दूसरी पार्टी में जा रहे हैं। मन लगा तो रह गए वहां। अगर नहीं तो फिर लौट के घर आ रहे हैं बुद्धू की तरह।

अब देखिए जहां जिसकी उम्मीद होती है। वहां वह नहीं होता तो खींझ कर खंभा नोचने वाले नेताओं की कमी नहीं है, लेकिन इतने बुजुर्ग या कुछ युवा भी इस बात को क्यों नहीं मानते कि कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता। अगर ऐसी मुकम्मल पहचान मिल गई तो क्या बात है? पौ बारह। पांचों उंगलियां घी में और सर कड़ाही में। यह अलग बात है कि ऐसे मौके कहां मिलते हैं? अगर पांचों उंगलियां घी में हैं तो सिर कहीं गिरवी रखा होता है। कुर्सी, पद, सत्ता, पहचान, महत्ता और शॉर्टकट में सब कुछ पा जाने की महत्वाकांक्षा आदमी को अलग करती है और यही कारण है कि दल बदल हो रहे हैं आजकल कुछ अधिक संख्या में।

एक नए नए दल बदले नेता से हमने पूछा भाई जी आप तो अच्छे खासे थे उस पार्टी में। आपको बढ़िया कर्ताधर्ता बना कर रखा था। आप उस दल रूपी जहाज से कैसे इस जहाज पर कूद पड़े? मतलब पार्टी बदल कर इस दल में आ गए।

सुकरात सा चेहरा बनाकर अपने अंदाज में उन्होंने कहा वह डूबता जहाज लग रहा है मुझे, मेरे पिता उस दल में थे। मैं भी था, लेकिन मुझे लगा इस डूबते जहाज में मैं सुरक्षित नहीं हूं इसलिए वहां से इस दल में आ गया। मैंने उन्हें खींचा -कहा तो यह जाता है कि जब जहाज डूबने लगता है तो सबसे पहले चूहे उस जहाज को छोड़कर भाग खड़े होते हैं। तो हम क्या आपको गणेश जी का वाहन मूषक मानें?

न। न हम मूषक हैं और न कूद फांद वाले मंडूक हैं। हम तो शेर हैं कॉलर उठाते हुए कहा उन्होंने।

हां जू वाला शेर कभी इस चिड़ियाघर में तो कभी उस चिड़ियाघर में है न?

आपको तो कुछ समझता ही नहीं है। आप राजनीति क्या जानें? कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, कैसे-कैसे तिकड़म लगाना होता है। कैसे-कैसे चक्कर करने होते हैं। सारा दिमाग का खेल है राजनीति आसान नहीं है।

लोग कहते हैं कि राजनीति में हम इसलिए आए हैं कि जनता की और समाज की सेवा करें, लेकिन आपकी बातों में कहीं भी जनता का या जनकल्याण का जिक्र ही नहीं है। जब तक पद नहीं पाएंगे, कल्याण नहीं करेंगे ऐसा क्या? राजनीति में पापड़ बेलना, दिमाग लगाना मुझे तो दिखता नहीं और तो और जो चीज नहीं है, उसे कैसे लगाएंगे?

महाशय आप नहीं समझोगे। कागज काले करना, किसी की टांग खींचना आसान है। हम जनता की भलाई के लिए ही तो दल बदल रहे हैं। काफी देर बाद उन्होंने कहा मुझे एक जरूरी काम याद आ गया। मैं चलता हूं। कहते हुए बड़े बड़े कदम लेते हुए वाकआउट करते विपक्ष की तरह भाग खड़े हुए।

जीवन में गणना या हिसाब का अपना महत्व है। हर आदमी की नीयत किसी साहूकार जैसी हो रही है। इसमें फायदा है या नहीं, उसमें तो शायद नुकसान ही होगा। यही सोच तीन पाँच करते हुए जी रहा है आदमी। राजनीतिज्ञों की बात ही निराली है। उनका तीन पाँच, नौ दो ग्यारह, या पौ बारह का गणित ही गजब का है।

## हिन्दू जागरण मंच ने जलाया बांग्लादेश का झंडा

**इन्दौर (नवीन मौर्य)** । विगत दिनों बांग्लादेश में 18 हिन्दुओं पर महज भगवा फहराने को लेकर देश द्रोह का मुकदमा दर्ज कर दिया गया था। जिसमें एक धर्मगुरु भी शामिल थे। हिन्दू धर्म गुरु पर भी कार्यवाही की गई इसके विरोधमें हिन्दू जागरण मंच जिला रामेश्वरम ने इंदौर के कलेक्टर चौराहे पर बांग्लादेश का झंडा जलाया जिसमें बांग्लादेश के मुखिया यूनुस का फोटो भी जलाया गया है। हिन्दू जागरण मंच के सुमित हार्डिया ने बताया की बांग्लादेश में हिन्दुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार को लेकर बांग्लादेश का राष्ट्रीय ध्वज और उसके मुखिया का फोटो जलाया गया है। जिसमें बड़ी संख्या में हिन्दू जागरण मंच के रोहित पटेल, प्रवीण यादव बड़ी संख्या मे कार्यकर्ता एकत्रित हुए ।

## दिगंबर जैन मंदिर तिलक नगर के शिखर पर किया ध्वजारोहण

**इंदौर।** तिलक नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर ध्वजारोहण किया। मंदिर के शिखर पर ध्वजा फहराई। जमीन से 51 फीट ऊँचे शिखर पर मुख्य ध्वजारोहण कर्ता होलास आशा सोनी, रोमिल हीना सोनी सहित अन्य भक्तो ने मंदिर के शिखर पर ध्वजा फहराई। ध्वजारोहण की विधि मनोज छाबड़ा के सानिध्य में संपन्न हुई। भगवान महावीर स्वामी पर शांति होलास सोनी जैन द्वारा की गई। इसमें न्यास के अध्यक्ष विमल अजमेरा, द्वारा मंदिर निर्माण एवं उसके विकास पर प्रकाश डाला उपाध्यक्ष सुरेश लुहाडिया, संयुक्त मंत्री राजेंद्र गंगवाल, सुरेश बड़जात्या, श्रीमती विद्या वेद राजेंद्र मोदी, अनिल बड़जात्या उपस्थित थे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने निम्न श्रावक श्रेष्ठिगण भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर रमेश जैन, शरद नंदा जैन, शिखर सोनी (आरती ट्रेडर्स), प्रदीप जैन, सुनील बंडी, प्रकेश जैन, देवचंद मोदी एवं अन्य समाजजन उपस्थित हुए।

# इंदौर में केबल कार का सपना, 60 किलोमीटर की सर्वे रिपोर्ट तैयार, 41 स्टेशनों के साथ 7 लाइनें प्रस्तावित

### पहले चरण पर खर्च होंगे 250 करोड़, प्राधिकरण को मिली सर्वे रिपोर्ट, अब जनप्रतिनिधियों के बीच होगा प्रजेंटेशन

**इंदौर।** केबल कार का सपना एक बार फिर इंदौरियों को दिखाया गया है, जिसके चलते प्राधिकरण (द्धष्ठ) ने फिजिबिलिटी सर्वे भी करवा लिया, जिसकी रिपोर्ट में 60 किलोमीटर (60 द्यद्ध) का रुट केबल कार के लिए उपयुक्त माना गया है, जिसमें 7 लाइनें रहेंगी और 41 स्टेशन बनाना पड़ेंगे। हर 1 से डेढ़ किलोमीटर के बीच ये स्टेशन रहेंगे और 1 किलोमीटर का सफर 3 मिनट में तय होगा। इस सर्वे रिपोर्ट का अब जनप्रतिनिधियों के बीच प्रजेंटेशन दिया जाएगा। उसके बाद मुख्यमंत्री को भी दिखाएंगे और फिर उनकी हरी झंडी मिलने के बाद इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर अमल संभव होगा। शुरुआत में ढाई किलोमीटर का रुट पहले चरण में लेना तय किया है, जिस पर 250 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित है। सालों से केबल कार की बात भी इंदौर में होती रही है। हालांकि अधिकांश केबल कार पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर संचालित की जा रही है। अब केन्द्र सरकार ने बड़े शहरों में बढ़ती यातायात की समस्या के मद्देनजर

केबल कार के विकल्प को आजमाने की बात भी कही है। वहीं कुछ धार्मिक स्थलों पर केबल कार प्रोजेक्ट मंजूर भी किए गए, जिसके चलते उज्जैन में ही रेलवे स्टेशन से लेकर महाकाल मंदिर तक रोपवे का निर्माण कराया जा रहा है। इंदौर में भी पिछले दिनों हुई चर्चा के बाद केबल कार के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनवाने का निर्णय हुआ और इंदौर विकास प्राधिकरण को इसका जिम्मा सौंपा गया। निजी फर्म की सहायता से यह सर्वे करवाया गया। हालांकि यह अभी शुरुआती स्तर पर ही है और अगर प्रोजेक्ट अमल में लाया जाता है तो इसमें बदलाव भी संभव हो सकेंगे। इंदौर में अभी जो सर्वे रिपोर्ट प्राधिकरण को प्राप्त हुई है उसमें 60.12 किलोमीटर लम्बाई में केबल कार प्रस्तावित की गई है, जिसके लिए 7 लाइनें रहेंगी और कुल 41 स्टेशन बनेंगे। औसतन दो स्टेशनों के बीच की दूरी 1.3 किलोमीटर रहेगी। ग्रीन लाइन,ब्लू लाइन, ऑरेंज लाइन, परपल, रेड, ग्रे और यलो लाइन प्रस्तावित की गई है और 100 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर अनुमानित लागत आंकी गई है। अभी शुरुआत में पहले चरण के तहत ढाई किलोमीटर लम्बाई के रोपे-वे को भी प्रस्तावित किया गया है, जिस पर लगभग 250 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान लगाया गया है। पिछले दिनों ही प्राधिकरण को जो केबल कार को लेकर फिजिबिलिटी सर्वे रिपोर्ट मिली उसका अवलोकन संभागायुक्त और प्राधिकरण अध्यक्ष दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, प्राधिकरण सीईओ आरपी अहिरवार सहित यातायात विभाग के अधिकारियों ने किया, जिसमें रुट नं. 1 ग्रीन लाइन और रुट नं. 6 ग्रे लाइन के सर्वे के आधार पर उस पर पहले अमल किए जाने पर भी चर्चा हुई, क्योंकि येदोनों रुट सघन क्षेत्रों से गुजरते हैं।

जैसे रुट नं. 1 चंदन नगर, लाबरिया भेरू, गंगवाल, मालगंज, जवाहर मार्ग होते हुए शिवाजी वाटिका तक आएगा। इसी तरह रुट नं. 6 में रेलवे स्टेशन से मालवा मिल, पाटनीपुरा, भमोरी से नीरंजनपुर तक का सघन क्षेत्र जुड़ेगा। प्रति किलोमीटर इस फिजबिलिटी सर्वे में लगभग 100 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत आंकी गई है। यानी अगर पूरे 60.12 किलोमीटर में केबल कार चलानी है तो 6 हजार करोड़ रुपए से अधिक की भारी-भरकम राशि खर्च होगी, जिसमें 41 स्टेशनों का निर्माण भी शामिल रहेगा। इस सर्वे में 7 लाइनों पर ये केबल कार चलाना प्रस्तावित है, जिसमें ग्रीन लाइन की लम्बाई 6.24 किलोमीटर, ब्लू लाइन की लम्बाऊ 7.23 किलोमीटर, ऑरेंट लाइन की लम्बाई 8.99 किलोमीटर, परपल लाइन की लम्बाई 17.29 किलोमीटर, रेड लाइन की लम्बाई 8.02 किलोमीटर, ग्रे लाइन की लम्बाई 6.83 और यलो लाइन की लम्बाई 5.52 किलोमीटर प्रस्तावित की गई है। इसमें ग्रीन लाइन में जो स्टेशन पाइंट चिन्हित किए गए हैं वे चंदन नगर, लाबरिया भेरू, मालगंज चौराहा, यशवंत रोड गुरुद्वारा, जवाहर मार्ग चौराहा, सरवटे बस स्टैंड, एमवाय अस्पताल और शिवाजी चौराहा शामिल है। इसी तरह ब्लू लाइन में 6 स्टेशन पाइंट निर्धारित किए गए हैं, जिसमें मेट्रो स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 3, टिगरिया बादशाह, प्राधिकरण बिल्डिंग, योजना 155, मरी माता चौराहा, राजवाड़ा और यशवंत रोड गुरुद्वारा शामिल है। इसी तरह अन्य 5 लाइनों में भी स्टेशन प्रस्तावित किए गए हैं। अब इस फिजिबिलिटी सर्वे रिपोर्ट को जनप्रतिनिधियों और मुख्यमंत्री के समक्ष पेश किया जाएगा।

## नहाए-खाए से शुरू होगा छठ महापर्व, समाजजनों में उत्साह

**पीथमपुर।** दीपावली के बाद श्रद्धालुओं को अब आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ का बेसब्री से इंतजार हैं। नहाय-खाय के साथ ही छठ पूजा की शुरुआत हो जाती है। इस पर्व की विशेष धार्मिक मान्यता है। छठ पूजा का पावन महापर्व मंगलवार 5 नवंबर को नहाय-खाय से शुरू हो रहा है। विद्वानों के अनुसार आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ के पहले दिन घरों में चावल, लौकी तथा चने की दाल बनाई जाती है। दाल-भात के सेवन के बाद लोग अगले दिन यानी छह नवंबर को खरना की तैयारी में जुट जाएंगे। सात को संध्या अर्घ्य है। आठ को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पूजा का समापन किया जाएगा। देश-प्रदेश सहित जिले में छठ की तैयारियां जोरों पर हैं। छठ घाटों की साफ-सफाई की जा रही है। छठ पूजा समितियां भी छठ पूजा की तैयारियों में अभी से जुट गई हैं। छठ घाटों को संवारा जाने लगा है।

पूर्वांचल सेवा समितियों के अनुसार संजय जलाशय पर छठ पूजा के आयोजन की तैयारी की है। यहां घाटों को संवारा जा रहा है। सात नवंबर को संध्या अर्घ्य वाले दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

5 नवंबर-नहाय खाय, 6 नवंबर-खरना, 7 नवंबर-संध्या अर्घ्य, 8 नवंबर-उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ का समापन।

आस्था का महापर्व छठ पूजा हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से लेकर सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है।

छठ पूजा की विशेष धार्मिक मान्यता होती है। इस कठिन व्रत कोद्द महिलाएं और पुरुष घर में खुशहाली और संतान की सलामती के लिए रखते हैं। इसे सूर्य षष्ठी, छठी और डाला छठ के नामों से भी जाना जाता है। छठ पूजा में सूर्य देव और छठी मैया की पूजा की जाती है।

### कब है छठ पूजा का नहाय-खाय

इस साल नहाय-खाय मंगलवार 5 नवंबर के दिन होगा। पंचांग के अनुसार, नहाय खाए कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को किया जाता है। इस दिन व्रत रखने वाली महिलाएं गंगा या किसी पवित्र नदी में स्नान-ध्यान करती है और फिर नहाय-खाय करती है।

नहाए-खाए के दिन लौकी और भात का प्रसाद बनाने की परंपरा है। छठ पूजा दीपावली से छह दिन बाद की जाती है। पंचांग के अनुसार, इस वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि वीरवार सात नवंबर की रात 12-41 बजे शुरू होगी और इसका समापन शुक्रवार आठ नवंबर की रात 12-34 बजे होगा। ऐसे में सात नवंबर के दिन ही संध्याकाल का अर्घ्य दिया जाएगा जबकि सुबह का अर्घ्य अगले दिन आठ नवंबर को दिया जाएगा।

### तिलक लगाकर रक्षा का मांगा वचन

**पीथमपुर।** भाई-बहन के प्यार का प्रतीक त्योहार भाई दूज का पर्व रविवार को पीथमपुर सहित ग्रामीण अंचल में मनाया जा रहा हैं। इसी के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का समापन हुआ। भाई दूज पर बहने भाइयों के माथे पर टीका लगाकर पूजन किया और माथे पर टीका लगाने के साथ ही बहनों ने सलामती व दीर्घायु की कामना भी भाइयों के लिए की। वहीं सुबह से ही बाजार में दूज पर्व के कारण भीड़ नजर आई, मिठाई की दुकानों से लेकर कपड़ा व सराफा दुकानों पर लोग खरीदारी के लिए पहुंचे।

### यहां जला दी बाइक

**इंदौर।** एक व्यक्ति की बाइक में बदमाश ने आग लगाकर नुकसान कर दिया। मामले में सदर बाजार पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को जावेद पिता अब्दुल कादर निवासी जूनापीठा ने शिकायत दर्ज करवाई कि वाजिद उर्फ गोलू ने फरियादी की बाइक जलाकर नुकसान पहुंचाया।

## बहनों ने भाई को लगाया विश्वास का तिलकः भाई ने बहन को दिया रक्षा का संकल्प...

### जगमगमगाए श्री चित्रगुप्त मंदिर, महाआरती में गूंजे घंटाल, भक्त हुए निहाल

**उज्जैन ।** भाई-बहन के अटूट विश्वास प्रेम समर्पण के प्रतीक त्यौहार यमद्वितीया भाई दूज के दिन बहन ने भाई को माथे पर टिका लगाया और मुंह मीठा कराया तो भाई ने भी बहन की रक्षा का संकल्प लिया।पूरे नगर ने भाई दूज को धूमधाम से मनाया।कायस्थ समाज ने घरों में कलम दवात रखकर भगवान चित्रगुप्तजी की पूजा की।जिले के सभी चित्रगुप्त मंदिरों में हवन पूजन एवं महाआरती की गई।अंकपात धर्मराज चित्रगुप्त मन्दिर पर बड़ी संख्या में दीप दान किया गया। कायस्थ समाज के अध्यक्ष दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली के बाद भाई दूज यम द्वितीया के दिन आराध्य भगवान चित्रगुप्तजी की पूजा अर्चना करना महत्वपूर्ण रहता है।कोई प्राणी यम द्वितीया के दिन धर्मराज व चित्रगुप्तजी का पूजन

करता है उसके पापों का नाश हो जाता है।भाई दूज के दिन कायस्थ परिवारों में कलम दवात का भी पूजन अर्चन किया जाता है।बहनें अपने भाईयों को मंगल तिलक लगाती और भोजन परोसती है।

चित्रगुप्त मन्दिरों में दिखाई दी रौनक,आस्था का सैलाब उमड़ा....

रविवार को कायस्थ समाज द्वारा आराध्य भगवान चित्रगुप्त के सभी मंदिरों में प्रातः से ही हवन पूजन एवं महाआरती तथा महाप्रसादी का आयोजन किया गया जो देर रात तक चलता रहा। उज्जैन नगर के साथ-साथ नागदा,बड़नगर, खाचरोद,तराना,महिदपुर तथा अन्य तहसीलों में भी समाज जनों ने बड़ी धूमधाम से भगवान चित्रगुप्तजी की आरती की।

ऋषिनगर स्थित चित्रगुप्त मन्दिर में महिला मंडल द्वारा अन्नकूट का भोग लगाकर महा आरती की गई।अनुपमा श्रीवास्तव,चेतना श्रीवास्तव के संयोजन में ऋषिनगर,श्री चित्रगुप्त न्याय मंदिर,श्री चित्रगुप्त धाम अंकपात पर कार्यकारी अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव के संयोजन में तथा चक्रतीर्थ पर चित्रगुप्त मन्दिर पर अरविंद सक्सेना और क्षिप्रा तट श्री चित्रगुप्त घाट पर राहुल भटनागर,विद्यानगर स्थित मंदिर में मोतीलाल श्रीवास्तव,ज्ञानपीठ में संदीप कुलश्रेष्ठ के संयोजन में आरती की गई।

## भगवान महावीर ने समभाव का मार्ग बताया - प्रवर्तक विजयमुनि महाराज

**इंदौर!** श्रीमदउत्तराध्यन सूत्र के अंतिम अध्याय की साधना प्रवर्तक विजय मुनि जी महाराज के सानिध्य में पूर्ण हुई। प्रभु महावीर स्वामी के 2550 वे निर्वाण दिवस पर पु गुरुदेव ने कहा कि, भगवान ने अपने जीवन मे आए हुये दुःखो को समभाव पूर्वक भोग कर ही समाप्त किया और यही रास्ता हमे भी बताया कि अगर जीवन में शांति समाधि प्राप्त करना है तो आए हुवे दुःखो को सम भाव से सहन करो। आज भगवान के निर्वाण को 2550 वर्ष हो गए हैं, लेकिन आज भी हम उनको याद करते हैं क्योंकि उन्होंने जीवन में पुरुषार्थ करके शांति समाधि प्राप्त की और फिर ज्ञान में देखा की जैसे मैंने दुख भोगे है वैसे

ही संसार के समस्त प्राणी दुख भोग रहे है तो उनको करुणा आई और करुणा भाव से दुखों से मुक्ति का मार्ग समभाव के साथ हमे भगवान ने बताया। कल भाईदूज के अवसर पर नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना का भाव पूर्ण चरित्र सुनाया की भगवान के निर्वाण के पश्चात बड़े भाई नंदिवर्धन बहुत दुःखी हुए और आहार त्याग दिया। भैया के दुःख को समझते हुए बहन सुदर्शना ने अपने घर ले जा कर भगवान के समभाव की प्रेरणा साथ भाई को तिलक लगा कर पारणा कराया। उपप्रवर्तक चन्द्रेश मुनि जी महाराज ने अपने उध्बोधन में कहा कि अनमोल रत्न की कीमत रत्न को नही मालूम, रत्न की पहचान तो जोहरी करता है, वैसे ही हमारे जीवन मे तीन अनमोल रत्न है, अन्न, जल और वचन। अन्न मिला तो पानी आवश्यक और अन्न जल मिला हो अच्छे और सच्चे वचन ही जीवन का आधार और सच्चाई है। जो अपने वचनों का दुरुपयोग करता है उसे वचन नही मिलेंगे। धर्मसंघ के महामंत्री रमेश भंडारी ने संघ को बधाई देते हुए कहा कि आने वाला वर्ष सुख, समृद्धि, उन्नति, प्रगति, प्राप्त हो। दीपावली और नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। संचालन प्रकाश भटेवरा ने व आभार अशोक मंडलीक ने व्यक्त किया।

## सुश्रावक समरथमल जैनका देवलोकगमन होने पर परिजनों ने समाजहित में किये नेत्रदान

**रतलाम।** नेत्रम संस्था के हेमन्त मुणत ने बताया की धर्मस्व नगरी में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ती जा रही है। रतलाम के प्रतिष्ठित सुश्रवाक जुहारमल जैन के सुपुत्र पूज्य साध्वी विभाश्री जी मा. सा. के संसारिक पिताजी समरथमल जैन का देवलोकगमन होने पर समाजसेवी महेन्द्र गांग, प्रभात सुराणा विशाल मूणत, ने उनके पुत्र मनीष जैन, कमलेश जैन एवं परिजनों को समाजहित में पितहि के नेत्रदान (कार्निया) दान करने की प्रेरणा दी। परिजनों की सहमति प्राप्त होते ही नेत्रम संस्था द्वारा गीता भवन न्यास बडनगर के ट्रस्टी एवं नेत्रदान प्रभारी डॉ जी एल ददरवाल को सूचित किया। सूचना प्राप्त होते ही वे अपनी टीम के परमानंद राठौर,मनीष माली के साथ बडनगर से रतलाम पहुचे और नेत्रदान की प्रक्रिया पूर्ण कर सफलतापूर्वक नेत्रदान किया। नेत्रदान के दौरान हेमन्त मूणत,ओमप्रकाश अग्रवाल, भगवान ढालवानी, गिरधारी लाल वर्धानी, प्रभात सुराणा, जिनेश जैन, नितिन, राखी व्यास, रीना टाक,मौजूद रहे नेत्रम संस्था के नवनीत मेहता, गोपाल पतरा वाला, मीनू माथुर, प्रशांत व्यास, शलभ अग्रवाल, शीतल भंसाली, सुरेश पाटीदार, संजय नेनानी, मंजुला माहेश्वरी, सपना दुबे, कश्मीरा पाठक, अंजू सोनी, सीमा अग्रवाल, रेखा खत्री ने जैन परिवार के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया है।

## आचार्य श्री तुलसी का 111 वां जन्मदिवस मनाया गया

**रतलाम।** अणुव्रत अनुशास्ताआचार्य श्री महाश्रमण जी की सु शिष्या साध्वी श्री पुण्य प्रभा जी के सानिध्य में सेठ जी का बाजार स्थित तेरापंथ सभा भवन में आचार्य श्री तुलसी का 111 वां जन्म दिवस मनाया गया। उपस्थित जन्मदिनी को संबोधित करते हुए साध्वी श्री जी ने कहा कि 20वि सदी के काल के भाल पर स्वर्णिम आलेख का सृजन करने वाले महापुरुष हुए आचार्य श्री तुलसी। जिन्होंने अणुव्रत आंदोलन का सूत्रपात किया एक ऐसा आंदोलन जिसका वास्ता सिर्फ इंसान की इंसानियत से था जब देश मस्ती से आज़ादी के गीत गा रहा था उस समय किसी का भी ध्यान देश के चारित्रिक उत्थान पर नहीं गया ऐसे समय पर आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत का शंखनाद किया।

उन्होंने आगे कहा कि अणुव्रत का लक्ष्य जनसाधारण में नैतिक निष्ठा पैदा करना है धर्म,स्थान और कर्म स्थान में जो विसंगतिया है उनको दूर करना तथा अणुव्रतों के छोटे-छोटे नियमों के द्वारा सामाजिक समस्याओं का समाधान करना उन्होंने उम्र के नौवें दशक में भी अविरल श्रम कर गण के भंडार को भरा। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी वृंद द्वारा तुलसी अष्टकम से किया गया साध्वी श्री जिनय शाह जी साध्वी वृंद उपासिका प्रेमलता मांडोत अणुव्रत समिति अध्यक्ष ज्योति पीपाड़ा महिला मंडल अध्यक्ष अनीता मांडोत,साक्षी दख, सोनिया कोटडिया, पुनीत भंडारी, रवि दख आदि में भी अपने भावों की अभिव्यक्ति के साथ अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सभा मंत्री मनीष बारबेटा ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

## नगर निगम कार्यालय में हुआ सरस्वती पूजन

**रतलाम ।** नगर निगम कार्यालय पर सरस्वती तथा कलम दवात का पूजन स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन समिति प्रभारी विशाल शर्मा, उपायुक्त करूणेश दण्डोतिया, निगम अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ किया। सरस्वती तथा कलम दवात पूजन के अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि गौरव त्रिपाठी, संजय कसेरा, स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह, निजी सहायक सुभाष गोयल, उपयंत्री बी.एल. चौधरी, कार्यालय अधीक्षक गोपाल झालीवाल, बलवंतसिंह राठौर, राजेन्द्रसिंह राठौर, झोन प्रभारी पर्वत हाड़े, विनय चौहान, आशीष चौहान सहित निगम कर्मचारी उपस्थित थे।

## राममय स्वर्ण भारत गौमाता हमारी राष्ट्र माता बने

**रतलाम ।** गौमय धर्म धरा रतलाम गोपाष्टमी के पुनित पावन पर्व पर श्री वाघेला गौसेवा जीवदया समिति प्रमुख दिनेश वाघेला के प्रयासों से प्रतिवर्ष गौमाता पूजन 56 भोग महाअन्नकूट का अनूठा दिव्य आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा हैं जो अपने आप में मध्यप्रदेश व देश में विख्यात हैं। धर्म लाभ लेने के लिए अन्य शहरों के गौभक्तों की भी आश रहती हैं। इस वर्ष प्रभु श्रीराम की भक्ति से ओतप्रोत राम राष्ट्र के साथ गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा मिले। इसी उद्देश्य से श्री वाघेला गौसेवा जीवदया समिति द्वारा गौ रोटी वाहन से जुड़े परिवार जनों के सहयोग से दिनांक 9 नवम्बर 2024 गोपाष्टमी के दिव्य अवसर पर जिले की 8 गौशालाओं की लगभग 4000 गायों को 31 क्विंटल मिष्ठान 56 भोग महा अन्नकूट मांगल्य मंदिर स्थित सप्त गौमाता मंदिर संतों का आशिर्वाद लिए गौसेवकों की उपस्थिति में प्रातः 9 बजे गौमाता कथा गौवंश संरक्षण संवर्धन लिए 11 बजें सामूहिक यज्ञ हवन महाआरती के साथ दोपहर 12 बजे जीवदया समाज सेवा ही परमोधर्म संकल्पित विशिष्ट विभूतियों का सम्मान पश्चात् समस्त गौसेवक महा प्रसादी का लाभ लेगें।

श्रीगेरी मठ के दंडी स्वामी आत्मानंद सरस्वती जी महाराज की अध्यक्षता में श्री योग वेदांत सेवा समिति श्री कृष्ण कामधेनु गौशाला सेवा समिति मांगल्य मंदिर परिसर स्थित बैठक में प. संजय शिवशंकर दवे, प. चेतन शर्मा, समिति प्रमुख दिनेश वाघेला, बाबूलाल सिसोदिया ने आयोजन की रुपरेखा से अवगत कराया। पतंजलि जिलाध्यक्ष विशाल कुमार वर्मा, कैलाश सोमानी, गोविंद सिंह शेखावत, राजकुमार पंजाबी, धर्मराज सिंह वाघेला, मनोज मिश्रा, प्रेमप्रकाश बाथम, श्रीमती श्यामा वाघेला, शकुन्तला सिसोदिया, श्रीमती विमलेश वर्मा, विमला पंजाबी मांगल्य मंदिर समिति प्रमुख सुदामा मिश्रा रुपेश साल्वी अन्य गौसेवकों समिति सदस्यगण योगदान देगें।

## राममय स्वर्ण भारत गौमाता हमारी राष्ट्र माता बने

**रतलाम ।** गौमय धर्म धरा रतलाम गोपाष्टमी के पुनित पावन पर्व पर श्री वाघेला गौसेवा जीवदया समिति प्रमुख दिनेश वाघेला के प्रयासों से प्रतिवर्ष गौमाता पूजन 56 भोग महाअन्नकूट का अनूठा दिव्य आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा हैं जो अपने आप में मध्यप्रदेश व देश में विख्यात हैं धर्म लाभ लेने के लिए अन्य शहरों के गौभक्तों की भी आश रहती हैं इस वर्ष प्रभु श्रीराम की भक्ति से ओतप्रोत राम राष्ट्र के साथ गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा मिले इसी उद्देश्य से श्री वाघेला गौसेवा जीवदया समिति द्वारा गौ रोटी वाहन से जुड़े परिवार जनों के सहयोग से दिनांक 9 नवम्बर 2024 गोपाष्टमी के दिव्य अवसर पर जिले की 8 गौशालाओं की लगभग 4000 गायों को 31 क्विंटल मिष्ठान 56 भोग महा अन्नकूट मांगल्य मंदिर स्थित सप्त गौमाता मंदिर संतों का आशिर्वाद लिए गौसेवकों की उपस्थिति में प्रातः 9 बजे गौमाता कथा गौवंश संरक्षण संवर्धन लिए 11 बजें सामूहिक यज्ञ हवन महाआरती के साथ दोपहर 12 बजे जीवदया समाज सेवा ही परमोधर्म संकल्पित विशिष्ट विभूतियों का सम्मान पश्चात् समस्त गौसेवक महा प्रसादी का लाभ लेगें श्रीगेरी मठ के दंडी स्वामी आत्मानंद सरस्वती जी महाराज की अध्यक्षता में श्री योग वेदांत सेवा समिति श्री कृष्ण कामधेनु गौशाला सेवा समिति मांगल्य मंदिर परिसर स्थित बैठक में प. संजय शिवशंकर दवे प. चेतन शर्मा, समिति प्रमुख दिनेश वाघेला बाबूलाल सिसोदिया ने आयोजन की रुपरेखा से अवगत कराया पतंजलि जिलाध्यक्ष विशाल कुमार वर्मा, कैलाश सोमानी, गोविंद सिंह शेखावत, राजकुमार पंजाबी, धर्मराज सिंह वाघेला, मनोज मिश्रा, प्रेमप्रकाश बाथम, श्रीमती श्यामा वाघेला, शकुन्तला सिसोदिया, श्रीमती विमलेश वर्मा, विमला पंजाबी मांगल्य मंदिर समिति प्रमुख सुदामा मिश्रा रुपेश साल्वी अन्य गौसेवकों समिति सदस्यगण योगदान देगें

# मध्यप्रदेश ने आज विकास के क्षेत्र में अपनी एक नई पहचान स्थापित की है : मंत्री श्री काश्यप

**रतलाम।**

जिला मुख्यालय पर 2 नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। कलेक्टर कार्यालय परिसर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने अपने उदबोधन में कहा कि देश में विकास के क्षेत्र में आज मध्यप्रदेश ने अपनी एकनई पहचान स्थापित की है, चाहे कृषि हो, सिंचाई हो या औद्योगिक विकास की श्रृंखला हो, प्रदेश में चहुंओर विकास नजर आ रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री श्री काश्यप द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, कलेक्टर राजेश बाथम, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत श्रृंगार श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, मनोहर पोरवाल, विनोद करमचंदानी, गोविंद काकानी तथा अधिकारी, कर्मचारी नागरिकगण उपस्थित थे।

मंत्री श्री काश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि हमारा देश कृषि आधारित देश है। देश की समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मध्यप्रदेश शासन ने खेती किसानी सिंचाई की तरक्की पर विशेष ध्यान दिया है, साथ ही औद्योगिक विकास की श्रृंखलाओं का नवीन विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संभाग स्तर पर इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजन किया है जिससे नवीन औद्योगिक इकाईयों की स्थापना, युवाओं को रोजगार तथा युवा उद्यमियों को आगे बढ़ाया जा रहा है। हम संकल्पित हो कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को देश का सर्वश्रेष्ठ समृद्धशाली राज्य बनाएंगे।

मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा पीएम श्री हेलीकॉप्टर जैसी योजना लागू करके गरीब मरीजों की सेवा का महत्वपूर्ण कार्य किया है जिनको आपात स्थिति में उच्च स्तरीय उपचार हेतु अन्यत्र ले जाने के लिए प्रत्येक जिले में तत्काल हेलीकॉप्टर की सुविधा शासन द्वारा दी गई है। श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासन और सामाजिक सरोकारों का समन्वय स्थापित किया है। विगत दशहरे पर व्यापक रूप में जहां प्रदेश में शस्त्र पूजन के कार्यक्रम आयोजित हुए वहीं दीपावली के पश्चात गोवर्धन पूजा तथा गोपूजन के भी वृहद कार्यक्रम प्रदेश में आयोजित किए गए हैं। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए श्री काश्यप ने कहा कि बच्चों का प्रदर्शन हमारे शहर के शैक्षणिक, सांस्कृतिक विकास को दर्शा रहा है। हमारे प्राचीन खेलों में शारीरिक व्यायाम, मानसिक व्यायाम के साथ आध्यात्मिकता का अनूठा संगम देखने को मिलता है। यह समावेश यहां प्रस्तुत मलखंब के खेल में भी देखा जा सकता है। मलखंब को मालवा क्षेत्र ने पूरे देश में एक पहचान दी है। श्री काश्यप ने अपने उदबोधन ने दीपो उत्सव के विभिन्न आयोजनों का जिक्र किया, साथ ही सब को दीपावली की शुभकामनाएं भी दी।

कार्यक्रम में प्रदीप उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि आज मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में विकास की उपलब्धियां देखने को मिल रही हैं। स्वास्थ्य शिक्षा उद्योग खेल प्रत्येक क्षेत्र में मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रारंभ में कलेक्टर श्री राजेश बाथम ने अपने उद्बोधन में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति एवं सांस्कृतिक आयोजनो से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन आशीष दशोत्तर ने किया। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर संजीव पांडे, डिप्टी कलेक्टर संजय शर्मा, विवेक सोनकर, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री अनुराग सिंह, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री राजेश धनोतिया, शहरी विकास अभिकरण के अरुण पाठक, जनअभियान परिषद् के जिला समन्वयक रत्नेश विजयवर्गीय, सिविल सर्जन डॉक्टर एम.एस. सागर, जिला योजना अधिकारी बी.के. पाटीदार, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर आदि अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की महिला उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

## वडोदरा-जयनगर-रतलाम, उधना-जयनगर-उज्जैन, उधना-भागलपुर-उज्जैन के मध्य स्पेशल अनारक्षित ट्रेन का परिचालन

**रतलाम।**

त्योहारी सीजन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों के अतिरिक्त दबाव को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर वडोदरा-जयनगर, जयनगर-रतलाम, उधना-जयनगर, जयनगर-उज्जैन, जयनगर-उज्जैन, उधना-भागलपुर, भागलपुर-उज्जैन के मध्य एक-एक फेरा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन पूरी तरह अनारक्षित है।

गाड़ी संख्या 09191/09192 वडोदरा-जयनगर-रतलाम अनारक्षित स्पेशल– गाड़ी संख्या 09191 वडोदरा जयनगर स्पेशल रविवार 03 नवम्बर, 2024 को वडोदरा से 23.30 बजे चलकर मंगलवार 05 नवम्बर 2024 को 11.30 बजे जयनगर पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 नवम्बर को 04.00 बजे रतलाम, 04.45 बजे नागदा, एवं 05.35 बजे उज्जैन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09192 जयनगर रतलाम स्पेशल मंगलवार 05 नवम्बर, 2024 को जयनगर से 14.30 बजे चलकर गुरूवार 07 नवम्बर, 2024 को रतलाम पहुँचेगी। यह ट्रेन 06 नवम्बर को 21.04 बजे उज्जैन एवं 22.24 बजे नागदा पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में नागदा, उज्जैन, संतहिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह,कटनी मुरवाड़ा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी रेलवे स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

गाड़ी संख्या 09039/09040 उधना जयनगर-उज्जैन अनारक्षित स्पेशल– गाड़ी संख्या 09039 उधना-जयनगर स्पेशल 04 नवम्बर रविवार को उधना से 10.15 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(17.30/17.40) एवं उज्जैन(20.05/20.10) होते हुए बुधवार 07 नवम्बर को 07.00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09040 जयनगर उज्जैन स्पेशल बुधवार 06 नवम्बर, 2024 को को जयनगर से 11.30 बजे चलकर गुरूवार को 18.15 बजे उज्जैन स्टेशन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संतहिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजिपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी। गाड़ी संख्या 09039 उधना जयनगर स्पेशल का सूरत, सायण , भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम एवं उज्जैन स्टेशन पर भी ठहराव रहेगा। इस ट्रेन में 11 स्लीपर एवं 07 सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे जो सभी अनारक्षित रूप में चलेगी। गाड़ी संख्या 09019/09020 उधना-भागलपुर-उज्जैन अनारक्षित स्पेशल– गाड़ी संख्या 09019 उधना भागलपुर स्पेशल सोमवार 04 नवम्बर, 2024 को 11.15 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(17.30/17.40) एवं उज्जैन(20.05/20.10) चलकर बुधवार 06 नवम्बर, 2024 को 07.00 बजे भागलपुर पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 09020 भागलपुर उज्जैन स्पेशल बुधवार 06 नवम्बर, 2024 बुधवार को 10.00 बजे चलकर रतलाम गुरूवार 07 नवम्बर, 2024 को 20.30 बजे उज्जैन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संतहिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज, बनारस, गाजीपुर सिटी, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, किऊल, अभयपुर एवं सुल्तानगंज रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी। गाड़ी संख्या 09019 उधना जयनगर स्पेशल का सूरत, सायण, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम एवं उज्जैन स्टेशन पर भी ठहराव रहेगा।

## कैबिनेट मंत्री ने पुस्तक आकांक्षा का विमोचन तथा राष्ट्रीय पेंशनर-डे के लिए आमंत्रित किया

रतलाम। सेंट्रल गवर्नमेंट एवं रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन ने कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश शासन एवं शहर के विधायक चैतन्य काश्यप जी को दीप मिलन की शुभकामना प्रदान की तथा 17 दिसंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पेंशन-डे के लिए आमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के सदस्य एवं सेवानिवृत्ति सीनियर सेक्शन इंजीनियर( टेलीकॉम) यूं एल जायसवाल एवं श्रीमती राजकुमारी जायसवाल द्वारा लिखित आकांक्षा पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक आकांक्षा में जहां एक और जायसवाल ने अपनी रेल सेवा, सांस्कृतिक धरोहर की यात्रा एवं विभिन्न प्रदेशों की पर्यटन की खूबसूरती, कलचुरी वंश के जनक राजा के इतिहास का सारगर्भित वर्णन के साथ-साथ पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं रेल सेवा से संबंधित वृतांत का भी वर्णन किया हैइस अवसर पर सेंट्रल गवर्नमेंट एवं रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ सलाहकार कामरेड गोविंदलाल शर्मा, रामखेलावन कुमायूं, एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र व्यास कम्युनिकेशन सेक्रेटरी देवेंद्र वर्मा कमलजीतसिंह, रमेश शुक्ला, ओमप्रकाश शर्मा, सुधीरकांत दुबे, आर एस झाला,मनोहरसिंह सोलंकी, दशरथ शर्मा, ओ पी जोशी, महेश शर्मा, सुभाष चंद्र, संजय चौहान उपस्थित थे।

# साहित्य सरोकार : किसी भी दायरे में कैद नहीं रहती सृजनशीलता, मां बेटे ने किया रचना पाठ

**रतलाम।**

सृजनशीलता किसी दायरे में क़ैद नहीं रहती। इसकी खुशबू निरंतर फैलती है। इसके प्रति आकर्षण भी निरंतर बढ़ता है। शहर में प्रारंभ हुई एक पहल की महक दूर-दूर तक पहुंच रही है। यही कारण है कि सुनें सुनाएं' का दायरा लोकल' से ग्लोबल' होता जा रहा है।

यह शहर के लिए गौरव की बात है। सुखद संयोग यह भी रहा की मां बेटे ने भी रचनाओं का पाठ किया। यह विचार शहर में रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बीते दो सालों से निरंतर जारी आयोजन सुनें सुनाएं' के 26 वें सोपान में उभर कर सामने आए।

समयबद्ध और निर्धारित स्वरूप में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम भाई दूज का पर्व होने के बावजूद इसी दिन आयोजित किया गया और इसमें शहर के सृजनशील साथियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को सार्थकता प्रदान की। आयोजन की खास बात यह रही की मां स्मिता शुक्ला और बेटे अनंत शुक्ला ने रचना पाठ किया।

### इन्होंने किया रचना पाठ

जी.डी. अंकलेसरिया रोटरी हॉल रतलाम पर आयोजित इस सोपान में यूके से आए अभिषेक दीक्षित, नन्हीं दिव्यांशी और अनंत शुक्ला सहित दस साथियों द्वारा अपने पसंदीदा रचनाकारों की रचनाओं का पाठ किया गया।

शुरुआत करते हुए नन्हीं दिव्यांशी दीक्षित द्वारा सुभद्रा कुमारी चौहान की रचना कोयल' का पाठ किया गया । कमलेश पाटीदार ने डॉ. कुँवर बेचैन की रचना अंक गणित सी सुबह है मेरी' का पाठ, नरेंद्र त्रिवेदी ने एम.जी. हशमत की रचना मेरा जीवन कोरा कागज़ का पाठ, नीलिमा उपाध्याय ने बाबूलाल जैन जलज' की रचना सत्यं, शिवम्, सुंदर भावों की हम शांति , क्रांति चिंगारियां का पाठ, अभिषेक दीक्षित ने गोपालदास नीरज' की रचना छिप छिप कर अश्रु बहाने वालों' का पाठ, अनमोल सुरोलिया ने दुष्यन्त कुमार की रचना इस नदी की धार से का पाठ, अनंत शुक्ला ने रमेश मिश्र आनंद' की रचना फटे चीथड़े तन में डाले का पाठ, स्मिता शुक्ला ने अज्ञात रचनाकार की रचना तुम सी हो गई हूं' का पाठ किया।

### इनकी उपस्थिति रही

आयोजन में प्रो. रतन चौहान, रीता दीक्षित, सरिता दशोत्तर, विनोद झालानी, नरेंद्र सिंह डोडिया, नरेंद्र सिंह पंवार, दिनेश राजपुरोहित, कमलेश पाटीदार, जितेंद्र सिंह पथिक, जयवंत गुप्ते, हरेंद्र कोठारी, दिनेश जोशी बाजना, सुरेंद्र सिंह कोठारी, कल्पना सुरोलिया, डॉ. गायत्री तिवारी, आशा श्रीवास्तव, ललित चौरडिया, पंडित मुस्तफा आरिफ, जीएस खींची, मयूर व्यास, पीरूलाल डोडियार, अनीस मोहम्मद खान, प्रकाश हेमावत, आई.एल. पुरोहित, नीरज कुमार शुक्ला, बृजेश कुमार गौड़, लगन शर्मा, सुनील व्यास, श्याम सुंदर भाटी, मणिलाल पोरवाल, कीर्ति कुमार शर्मा, मीनाक्षी मलिक, विभा राठौड़, सुशील माथुर, शिवम माथुर, किरण जैन, सुयश माथुर, शरद माजू, दुष्यंत व्यास, अरविंद मेहता, विष्णु बैरागी, महावीर वर्मा, आशीष दशोत्तर सहित सुधिजन मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि इस आयोजन में कोई अपनी रचना नहीं पढ़ता है। अपने प्रिय रचनाकार की रचना का पाठ होता है। समय पर प्रारंभ हो कर समय पर समाप्त होने वाले इस आयोजन के अंत में पर्व प्रसंग की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान हुआ।

## नन्हे विद्यार्थियों ने रामायण की प्रस्तुति के साथ मनाई दीपावली

इन्दौर। रामायण की चौपाईयों पर आकर्षक प्रस्तुति के साथ एडवांस गुरुकूल एकेडमी के नन्हे विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में दीपावली पर्व मनाया। इस अवसर पर रामायण के पात्रों के रूप में सज संवरकर आए बच्चें सभी का मन मोह रहे थे।

स्कूल प्राचार्य प्रीति प्रपन्ना के अनुसार बच्चों को दीपावली पर्व का एतिहासिक महत्व समझाया गया। डायरेक्टर कमल मूले ने श्रेष्ठ प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिसर को दीपकों और फूलों से सजाया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी और स्कूल स्टाफ उपस्थित था।

## मुक्ति धाम में पौधारोपण कर लगवाई बेंच

इन्दौर। एक अनुकरणीय पहल के तहत कर्मचारी कामगार संघ अपने कार्यकर्ताओं की स्मृति में पौधारोपण कर सेवा कार्य करता है उसी तारतम्य में संघ के युवा कार्यकर्ता निक्की विष्नार की द्वितीय पुण्य तिथि पर जूनी इन्दौर मुक्ति धाम में पौधारोपण किया गया और बैठने के लिए बैंच लगवाई गई।

युवा कामगार संघ अध्यक्ष सूरज गौहर ने बताया कि इस अवसर पर सुनील गोसर, बालकिशन करोसिया, विजय बैगडे, लालू पिरोछा, सीमा नरवाले, शकुन कलोसिया, निलेश गोसर, मनीष संकत, शीतल विषनार, कर्मचारी नेता महेश गौहर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## महिलाएं जितना खुश होंगी समाज और देश भी उतना ही समृद्ध होगा

इन्दौर। सेल्फ लव एकेडमी द्वारा महिलाओं में सेल्फ लव और आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से एक समिट का आयोजन किया गया। जिसमें दुबई, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बैंग्लुरु, कोचिन, और कोलकाता जैसे शहरों से आई महिलाएं शामिल हुईं।

कार्यक्रम में एकेडमी फाउंडर मीनल ने बताया कि कई बार महिलाएं अंदर से दुःखी होती हैं जिसके चलते वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाती हैं। इस कारण वे कई काम भी नहीं कर पाती हैं। उन्होंने कहा कि जितना महिलाएं खुश होंगी उतना ही समाज और देश भी समृद्ध होगा।

कार्टून कोना.....

# बैन के बावजूद जमकर चले पटाखे, भोपाल, इंदौर, उज्जैन में 300 पार, देवास-रतलाम भी डेंजर जोन में

## मप्र में 3 गुना बढ़ा प्रदूषण , धूप से मिली राहत

इंदौर। दीपावली पर हर साल की तरह इस बार भी एयर क्वालिटी बिगड़ी। धुएं और प्रदूषण का लेवल बढने का सबसे ज्यादा प्रभाव सांस और दिल से जुड़ी बीमारी के मरीजों को होता है। दरअसल, बैन के बावजूद जमकर पटाखे जलाए गए। दिवाली की रात दिल्ली, ग्वालियर समेत कई शहरों का एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया।

मप्र में प्रदूषण तीन गुना बढ़ा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, देवास-रतलाम भी डेंजर जोन में रहे। दिवाली की रात को सबसे खराब एयर क्वालिटी बीकानेर और जोधपुर में रिकॉर्ड की गई। यहां एयर क्वालिटी इंडेक्स लेवल 500 पर पहुंच गया। वहीं, सुबह मौसम साफ रहने और तेज धूप रहने से पॉल्यूशन का स्तर गिर गया।

### मप्र में ग्वालियर में सबसे ज्यादा प्रदूषण

दीपावली के बाद मप्र के कई बड़े शहरों में प्रदूषण का स्तर करीब तीन गुना तक बढ़ गया है। ग्वालियर के डीडीनगर में शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 408 दर्ज किया गया। वहीं, इंदौर के ग्वाल टोली में यह 399 रहा। भोपाल, जबलपुर, रतलाम, उज्जैन और देवास में क्रमशः 314, 315, 370, 322 और 316 एक्यूआई दर्ज किया गया है, जो खतरे के निशान से ऊपर ही है। हालांकि, कई शहरों में एयर फ्लो की वजह से आतिशबाजी के बावजूद एक्यूआई कम हुआ है।

एयर फ्लो से मतलब यह है कि तेज हवा चलने या हवा का दबाव ज्यादा होने के चलते प्रदूषण कम हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पटाखों के बाद जो धुंआ उठता है, उसमें कई तरह के खतरनाक रसायन होते हैं। इसमें कार्बन मोनो आक्साइड, हाइड्रोजन सल्फाइड, ओजोन, स्ट्राइकीन और क्लोरीन जैसी गैसों के साथ पीएम 2.5 जैसे धूल और बारूद के ऐसे कण भी हैं, जो नग्न आंखों से सामान्य तौर पर दिखते भी नहीं। इनकी वजह से सांस की नली, फेफड़ों का संक्रमण हो सकता है। उसमें सूजन आ सकती है। तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। एक-दो दिनों तक हवा में उनका असर बने रहने की आशंका है।

राजधानी दिल्ली की हवा एक बार फिर जहरीली हो गई है। यहां टाइम एयर क्वालिटी इंडेक्स देर रात 400 के पार चला गया। 1 नवबंर को सुबह करीब 6 बजे दिल्ली एक्यूआई 391 दर्ज किया गया। देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात करें तो इनमें 9 उत्तर प्रदेश के हैं। यूपी के संभल में एक्यूआई सबसे ज्यादा 388 दर्ज किया गया। दिल्ली में दीपावली के दिन शाम 5 बजे रियल टाइम एक्यूआई 186 रिकॉर्ड किया गया था। यानी 10-12 घंटों में ही हवा सामान्य से बेहद खराब कैटेगिरी में चली गई। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने 1 जनवरी 2025 तक पटाखों को बैन किया था। पटाखे बनाने, उन्हें स्टोर करने, बेचने और इस्तेमाल पर रोक है। इनकी ऑनलाइन डिलीवरी पर भी रोक लगाई गई थी, फिर भी आतिशबाजी हुई।

### देश में कुल मौतों का 18 प्रतिशत वायु प्रदूषण से

स्वास्थ्य विभाग ने सर्दी और ज्यादा आतिशबाजी से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण के कारण संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर एडवाइजरी जारी की है। विभाग का कहना है कि प्रदूषण से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर विपरीत असर पड़ सकता है। हवा में मौजूद हानिकारक तत्व जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और छोटे-छोटे कण (पर्टिकुलेट मैटर) स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। पहली बार एडवाइजरी में विभाग ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक रिपोर्ट का जिक्र किया है, जिसमें भारत में होने वाली कुल मौतों का 18 प्रतिशत केवल वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण है।

### वायु प्रदूषण से होती हैं कई समस्याएं

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, एयर क्वालिटी इंडेक्स 200 से 500 के बीच खतरनाक होता है। प्रदूषण से आंखों, गले और त्वचा में जलन, सांस लेने में दिक्कत, सिरदर्द और चक्कर आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं, तेज पटाखों की आवाज से कानों में घंटी बजना, सुनने में कठिनाई और नींद में खलल जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

# उम्र के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव जरुरी

## बढ़ने के साथ बढ़ता है हार्ट डिजीज का खतरा

इंदौर। 65 से अधिक उम्र में बीमारियों की अधिकतर वजह अनहेल्दी डाइट मानी जा रही है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर का मेटाबॉलिज्म कम होने लगता है और शरीर पर फैट जमा होने लगते हैं। ये ही कई खतरनाक हार्ट डिजीज की वजह बनती हैं। जानकारी के मुताबिक, 60 साल की उम्र के बाद अपने डाइट में उन चीजों को शामिल करें, जिसमें कैलोरी कम हो लेकिन विटामिन, खनिज और फाइबर अधिक हो।

इसके लिए अधिक से अधिक रंगीन फल और सब्जियां आपके दिल के लिए बहुत अच्छी हो सकती हैं। ऐसे में जहां तक हो सके उम्र दराज लोगों को अपने पोषण में दिन में कम से कम पांच सर्विंग्स इनकी मिलना चाहिए। इसके अलावा ट्रांस फैट, चीनी, शराब, स्मोकिंग से दूरी बनाएं।उम्र बढ़ने के साथ शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है। ऐसे में बोन्स की समस्या को दूर रखने के लिए आप अधिक से अधिक दही को अपने डाइट में शामिल करें। दही में भरपूर मात्रा में कैल्शियम, जिंक, विटामिन बी, प्रोबायोटिक, विटामिन डी, पाया जाता है जो हार्ट के लिए भी अच्छा होता है। अंडा प्रोटीन और विटामिन्स का बहुत ही अच्छा और आसान सोर्स है। इसमें 13 तरह के एसेंशियल विटामिन्स पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद हैं। यह हार्ट रेट को बेहतर बनाने के साथ ही मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर बनाता है।

मछली में भरपूर प्रोटीन और पोलीसैचुरेटेड फैट यानी ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो बुजुर्गों की सेहत के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। यह उनके हार्ट को बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है। जहां तक हो सके फाइबर रिच फूड्स का सेवन करें। एक्सपर्टस के अनुसार, उम्र बढ़ने के साथ लाइफस्टाइल और खान-पान में बदलाव लाना ज़रूरी होता है। आज के भागदौड़ भरी इस जीवनशैली में तो यह बदलाव और भी ज़रूरी हो गया है।

# सिंगापुर ब्रिटिश पार्क फ्रेज वन में गोवर्धन पूजा का आयोजन

इंदौर। सिंगापुर ब्रिटिश पार्क फ्रेज वन टाउनशिप में कमलेश यादव परिवार द्वारा गोवर्धन पूजा का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर एक विशाल रंगोली बनाई गई, जिसमें भगवान श्री कृष्ण को गोवर्धन पर्वत उठाए हुए दर्शाया गया था। पूरे विधि विधान के साथ पूजा संपन्न की गई और प्रसाद का वितरण भी किया गया। पूजा के आयोजन में टाउनशिप के सभी परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान श्री कृष्ण की भक्ति में लीन हो गए। आयोजन की शुरुआत रंगोली बनाने से हुई, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रंग-बिरंगी रंगोली से पूजा स्थल को सजाया। पूजा विधि के पश्चात सभी उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। यह आयोजन सामुदायिक समर्पण और एकता का प्रतीक बना, जिसमें सभी परिवारों ने मिलकर त्यौहार को उल्लास पूर्वक मनाया।आयोजन को सफल बनाने के लिए कमलेश यादव परिवार की सराहना की गई और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की उम्मीद जताई गई।

# अच्छी सर्दी के लिए अभी करना होगा थोड़ा और इंतजार

## नवंबर के पहले पखवाड़े में सर्दी बढने की संभावना

इंदौर। पूरे प्रदेश में अच्छी सर्दी के लिए अभी कुछ दिन और इंतजार करना होगा। नवंबर का महीना आरंभ होने के साथ ही वातावरण में ठंडक घुलने लगी है। मध्य पाकिस्तान और पूर्वोत्तर राजस्थान के ऊपर चक्रवातीय परिसंरचरण सक्रिय होने से अगले सप्ताह से ठंड का असर बढने के आसार है। फिलहाल मौसम शुष्क है।

दिन में जहां धूप का असर अब भी कुछ तेज है, वहीं रात में गुलाबी ठंड महसूस होने लगी है। आगामी दिनों में धीरे-धीरे ठंड का असर बढ़ता जाएगा। हालांकि दिन के अधिकतम तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं आएगी पर रात के न्यूनतम तापमान में कमी आने से तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास जा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार छह नवंबर तक मौसम साफ है। भोपाल सहित मप्र को प्रभावित करने वाली कोई मौसम प्रणालियां सक्रिय नहीं है।

### हिमालयीन क्षेत्रों में बर्फबारी जारी

हिमालयीन क्षेत्रों में पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से बर्फबारी का दौर जारी है। इसके आंशिक प्रभाव से वातावरण में ठंडक बढने लगी है।

रविवार को दिन का अधिकतम तापमान

एक डिग्री की गिरावट के साथ 33.6 डिग्री रिकार्ड किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान दो डिग्री कम होकर 17.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हवा का रुख उत्तर पूर्वी रहा। आने वाले दिनों में पहाड़ों की बर्फीली हवा जब मैदानी क्षेत्रों का रुख करेगी, तब ठंडक का अहसास और बढ़ जाएगा।

### दिन में हल्की गर्मी तो रात होते ही जोर पकड़ेगी सर्दी

दीपोत्सव के प्रकाशमयी गर्माहट के बीच अब वातावरण में गुलाबी ठंड का खुशनुमा अहसास बढने लगा है। दिन की धूप तेज है परंतु रात में ठंडक घुलने लगी है। ठंड के बढ़ते प्रभाव से वातावरण में अब धुंध भी नजर आने लगी है।

मौसम पूरी तरह से शुष्क हो गया है। मौसम विभाग ने अभी एक सप्ताह तक दिन में हल्की गर्मी तो रात में ठंड बढने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार नवंबर के पहले सप्ताह में ठंड असर दिखाने लगेगा।

### 16 डिग्री तक नीचे जाएगा पारा

मौसम विज्ञानियों के अनुसार दिन का तापमान जहां 30-32 डिग्री के आस-पास बना रह सकता है वहीं आगामी दिनों में रात के न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट आने की संभावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस तक नीचे जा सकता है। वर्तमान में हवा की दिशा उत्तर-पूर्वी है, हवा का रुख पूरी तरह से उत्तरी होने के साथ ही जाड़ा जोर पकड़ने लगेगा। क्योंकि पहाड़ों में बर्फबारी शुरू हो चुकी है।

# प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ कुसुम सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की

इन्दौर। समाज कि सेवा करने वाले सदैव याद किए जाते हैं, ऐसे लोगों के कार्यो से प्रेरणा लेकर नई पीढ़ी को भी आदर्श स्थापित करना चाहिए । डॉ कुसुम सिंह ने गरीबों ,बीमारों के लिए पिछले 50 से अधिक वर्षों तक सेवा कार्य किया है।

जरूरतमंद आर्थिक रूप से गरीब बीमारो से फीस लेने के बजाय, दवाइयां खरीदने तक के लिए आर्थिक मदद की है, उनकी स्मृतियों को स्थाई बनाने के लिए ब्रह्म समाज प्रयास करेगा।

उक्त बातें विभिन्न वक्ताओं ने मध्य भारतवर्षीय ब्रह्म समाज के सभागृह में डॉ कुसुम सिंह के निधन पर आयोजित शोक सभा में, श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहीं ।प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ सिंह के निधन पर उनके द्वारा शहर एवं समाज हित में किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए, ब्रह्म समाज के ट्रस्टी एस के बायस में स्वर्गीय कुसुम सिंह के जीवन पर प्रकाश डाला । शोक सभा में सर्वश्री संतोष सिंह ,सुमन रघुवंशी ,भावना जाधव, अभ्यास मंडल के संयुक्त सचिव शफी शेख, सुल्तान ए हिंद एकता सेवा समिति के फिरोज पठान,सी ए श्याम अग्रवाल, ब्रह्म समाज मोंटेसरी स्कूल की अध्यक्ष , हेमलता बैस, डॉ बीना नाईक आदि ने स्व कुसुम सिंह को याद करते हुए, उनके द्वारा किए गए कार्यों से प्रेरणा लेने की अपील की। संचालन सचिव उज्जवल बोरकर ने तथा अंत में लेफ्टिनेंट कर्नल विजय पाटिल ने आभार व्यक्त किया।

# दीपिका का लेडी सिंघम के रूप में जोरदार रहा है प्रभाव

बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने सिंघम अगेन में शक्ति शेट्टी के किरदार में खुद को साबित किया है। इस फिल्म में उनका प्रभाव लेडी सिंघम के रूप में जोरदार रहा है। एक्ट्रेस के किरदार के इंट्रोडक्शन ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है, कई लोगों ने स्क्रीन पर उनके मजबूत प्रेजेंस और पॉवरफुल परफॉर्मेंस की खूब तारीफ की है। दीपिका अपनी वर्सेटिलिटी के लिए जानी जाती हैं, और उन्होंने शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की इंटेंस दुनिया में बिना किसी दिक्कत के कदम रखा है। बता दें कि उन्होंने फ्रेंचाइजी में नई एनर्जी और एक मजबूत महिला किरदार शक्ति शेट्टी को इंट्रोड्यूस किया है। उनका आउटस्टैंडिंग एंट्री सीन अब हॉट टॉपिक बन गया है, जिसे देखते हुए फैंस उनकी डेरिंग परफॉर्मेंस और दूसरे किरदारों के साथ मजबूत केमिस्ट्री की खूब तारीफ कर रहे हैं। खासतौर पर अजय देवगन के फेमस किरदार बाजीराव सिंघम के साथ। बहुत ही पॉजिटिव रिस्पॉन्स के बाद फैंस लेडी सिंघम शक्ति शेट्टी को मेन किरदार के रूप में एक स्टैंडअलोन फिल्म बनाने की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने सोशल मीडिया पर रोहित शेट्टी को टैग करके लेडी सिंघम की कहानी को और आगे बढ़ाने की रिक्वेस्ट तक की है। ये देखना कमाल है कि चेन्नई एक्सप्रेस के बाद जहां रोहित शेट्टी और दीपिका पादुकोण ने मीनम्मा को इंट्रोड्यूस किया था और वह एक यादगार किरदार बन गई। ऐसे में अब शक्ति शेट्टी के जरिए फिर से एक्टर और डायरेक्टर की इस जोड़ी ने एक और सक्सेसफुल प्रोडक्ट देकर सबको इंप्रेस कर दिया है। नेटिजन्स के प्यार के साथ-साथ क्रिटिक्स भी दीपिका पादुकोण की तारीफ कर रहे हैं।

## नोरा फतेही ने इट्स टू के साथ जोड़ा विभिन्न संस्कृतियों का समागम

बहुभाषी प्रतिभा के लिए मशहूर नोरा फतेही ने अपने लेटेस्ट सिंगल इट्स टू के साथ एक बार फिर से विभिन्न संस्कृतियों को एकत्रित किया है। यह गाना हिंदी लिरिक्स के साथ उनका दूसरा इंटरनेशनल रिलीज है। फीफा वर्ल्ड कप एंथम में अपने दमदार प्रदर्शन के बाद, नोरा का यह नया ट्रैक अफ्रीकी और भारतीय धुनों का समावेश करता है, जो पहले से ही वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। नोरा फतेही का कहना है, इस गाने में हिंदी लिरिक्स होने ही चाहिए क्योंकि मैं बॉलीवुड से आती हूं। मैं ग्लोबल स्टेज पर भारत और हिंदी का प्रतिनिधित्व करने के किसी भी अवसर का लाभ उठाती हूं। यह मेरे लिए उस देश और भाषा को वापस देने का एक सम्मान है, जिसने मुझे इतना कुछ दिया है। मैं हमेशा इसके प्रतिनिधित्व के लिए तत्पर रहूँगी।इस उनकी संगीत यात्रा केवल इट्स टू तक सीमित नहीं है। नोरा अब अमेरिकी गायक जेसन डेरुलो के साथ एक नए गाने और म्यूजिक वीडियो में भी नजर आएंगी, जो नवंबर में रिलीज होने की उम्मीद है।

## हर रोज की साधारण जिंदगी में जादू है

आगामी सीरीज सिटाडेल- हनी बनी की रिलीज को लेकर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु काफी उत्साहित हैं। अपनी खुशी को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, हर रोज की साधारण जिंदगी में जादू है। इस पोस्ट में सामंथा बिना मेकअप के काले रंग की पोशाक में नजर आ रही हैं। सिटाडेल- हनी बनी 7 नवंबर, 2024 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी, और इसके लिए दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में इस सीरीज का नया ट्रेलर भी रिलीज हुआ है, जिसमें सामंथा के साथ वरुण धवन भी दिखाई दे रहे हैं। ट्रेलर एक्शन, प्रेम और रोमांच से भरा हुआ है। दोनों अभिनेता सीरीज में साथी एजेंट और एक रोमांटिक जोड़ी के रूप में नजर आ रहे हैं। सिटाडेल- हनी बनी का निर्देशन राज निदिमोरु और कृष्णा डीके (राज एंड डीके) ने किया है, जबकि इसकी कहानी सीता आर मेनन और राज एंड डीके के साथ मिलकर लिखी गई है।

## रणदीप ने पत्नी संग जानवरों और प्रकृति के बीच मनाई दिवाली

पिछली साल 29 नवंबर को बालीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने लिन लैशराम से शादी रचाई थी। अपनी शादी की सालगिरह के मौके पर ये कपल शहर की भीड़-भाड़ से दूर जंगल सफारी का आनंद लेते देखे गये। लिन लैशराम ने पति रणदीप हुड्डा के साथ जंगल सफारी में अपनी अनोखी और दिलचस्प दिवाली सेलिब्रेशन की झलकियां शेयर की हैं। वीडियो शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा-जंगल में पटाखे। रणदीप और लिन साथ में जंगल के जानवरों के साथ दिवाली का आनंद लेते दिखे। प्रकृति के बीच रहकर दोनों काफी खुश दिखे। रणदीप जानवरों की फोटो लेते हुए नजर आए। जो तस्वीरें रणदीप ने लीं, उन्हें भी वीडियो में शेयर किया। काम की बात करें तो रणदीप हुड्डा की इस साल दो फिल्में तेरा क्या होगा लवली और स्वतंत्र वीर सावरकर रिलीज हुईं। दोनों फिल्मों को दर्शकों ने खूब पसंद किया। बता दें कि पिछले साल कपल ने मणिपुरी परंपरा से शादी की थी। ऐसे में इस साल इस जोड़े की पहली दिवाली रही, जिसे उन्होंने काफी अलग तरीके से मनाई।

## अनन्या पांडे ने अपने भांजे संग मनाई दिवाली

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अपने भांजे संग दिवाली मनाती नजर आईं और उसके साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। फैंस मौसी-भांजे की इस तस्वीर को खूब लाइक कर रहे हैं। एक्टर चंकी पांडे की भतीजी और अनन्या पांडे की कजिन अलाना पांडे ने 8 जुलाई को एक बेटे को जन्म दिया था। उन्होंने अपने बेटे का नाम रिवर रखा। अलाना का बेटा पांडे फैमिली के लिए खुशियों की बहार है और उसके साथ आते ही सबके चेहरे खिल जाते हैं। अनन्या पांडे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा-रिवर एंड रिवर्स मौसी की तरफ से दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं मैं और मेरे दो पसंदीदा लड्डू. इस तस्वीर में अनन्या अपने भांजे को गोद में लिए एक हाथ में लड्डू फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। नन्हा रिवर अपनी मौसी की गोद में लेटा खूब हंस रहा है और एक्ट्रेस के चेहरे पर भी क्यूट स्माइल देखने को मिल रही है। इस दौरान अनन्या पीच कलर के आउटफिट में अपनी सादगी से सबका दिल जीत रही हैं। वहीं, नन्हा रिवर येलो और व्हाइट आउटफिट में बेहद क्यूट लग रहा है। फैंस भी उनकी इस तस्वीर पर खूब प्यार लुटा रहे हैं।

## मौनी रॉय ने खूब सजधज कर दिवाली फोटोशूट करवाया

दिवाली के मौके पर बालीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय ने खूब सजधज कर दिवाली फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने फैंस के साथ भी शेयर की हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। लुक की बात

## भूल भुलैया 3 की थिएटर ऑक्यूपेंसी सिंघम अगेन से ज्यादा

बालीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 की थिएटर ऑक्यूपेंसी सिंघम अगेन से कहीं ज़्यादा है। भूल भुलैया 3 ने शानदार शुरुआत की है। कार्तिक आर्यन की इस फिल्म ने देशभर के सिनेमाघरों में सुबह के शो में जोरदार ओपनिंग की है। जयपुर के सिनेमाघरों ने भूल भुलैया 3 के लिए रिकॉर्ड ऑक्यूपेंसी देखी, जिसके 86,000 टिकट बेचे गए, जबकी

## आयुष्मान खुराना और ताहिरा कश्यप की शादी को हुए 16 साल पूरे

बॉलीवुड कपल आयुष्मान खुराना और ताहिरा कश्यप की कल वेडिंग एनिवर्सरी थी। यह बालीवुड कपल अपनी शादी की 16वीं सालगिरह मना रहा है। वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर कपल ने एक जॉइंट पोस्ट शेयर कर एक दूसरे को एनिवर्सरी की शुभकामनाएं दी है। फिल्म निर्माता ताहिरा कश्यप ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की तस्वीरें शेयर कर पति को सालगिरह की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा 'यह काफी लंबा सफर रहा है! श्री गणेश के चित्रों से लेकर लाल जेबरा फूलों के बैकग्राउंड और बनावटी पोज के साथ यह सफर काफी लंबा रहा। हैप्पी एनिवर्सरी। इसके साथ ही ताहिरा ने पिछले साल गलत तारीख पर बधाई देने वाली बात भी याद करते हुए लिखा-आपको पिछले साल गलत डेट पर बधाई देने की भरपाई करते हुए हैप्पी एनिवर्सरी। उन्होंने आगे लिखा 'जब आप शर्मिंदगी का जश्न मनाते हैं तो आप वास्तव में प्यार में होते हैं। शेयर की गई तस्वीरें आयुष्मान और ताहिरा दूल्हा-दुल्हन के गैटअप में बेहद प्यारे लग रहे हैं। बता दें, इस कपल ने साल

## वरुण ने रखा अपनी लाडली बिटिया का नाम लारा

बीते बुधवार जब बालीवुड एक्टर वरुण धवन अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति 16 में दिखाई दिए, तो इस दौरान एक्टर ने आखिरकार अपनी बेटी के नाम खुलासा किया। दरअसल, वरुण धवन अमिताभ बच्चन के शो केबीसी में अपनी अपकमिंग फिल्म सिटाडेल को प्रोमोट करने पहुंचे

## बेहतर सेवाओं के लिए सम्मानित हुए श्रीवास्तव

**मंदसौर ।** शासकीय सेवा में कर्तव्य के प्रति हमेशा सजग रहने वाले लेखक, कवि, व्यंग्यकार , जनपद पंचायत अधिकारी श्री लालबहादुर श्रीवास्तव को गौवंश पूजन समारोह के जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा , राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर , लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता , जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने बेहतर सेवाओं और सहयोग के लिए सम्मानित किया ।जनपरिषद एवं साहित्य परिषद ने बधाई दी।

## सीए ब्रांच द्वारा इमोशनल इंटेलिजेंस पर वेबीनार संपन्न

**मंदसौर।** सीए मंदसौर ब्रांच द्वारा प्रोफेशनल स्किल समिति आईसीएआई के तत्वाधान में वेबीनार का आयोजन किया गया। भावनात्मक बुद्धि पर आयोजित सेमिनार में 75 से अधिक सीए सदस्यों ने भाग लिया । प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन मंदसौर शाखा के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने दिया । श्री दिनेश जैन ने कहा कि यह मंदसौर ब्रांच द्वारा आयोजित प्रथम वेबिनार है। आज इमोशनल इंटेलिजेंस की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। बहुत से समाधान भावनात्मक बुद्धि या समझ से हम कर सकते हैं । स्पीकर सीए सोनल साबू ने बताया कि एआई के साथ ईआई का बहुत महत्व है। ई आई के जनक डेनियल गोलमैन के अनुसार पांच प्रमुख तत्व ईआई के हैं ! पहला अपने संवेगों की सही जानकारी रखना, दूसरा अपनी भावनाओं का आत्म प्रबंधन करना, तीसरा आशावादी तरीके से स्वयं को प्रेरित करना, चौथा दूसरों के संवेगों को पहचाना तथा पांचवा दूसरों के संवेगों का संचालन करना। अपने बताया कि ईआई के बेहतर प्रबंधन से रिश्तों को बेहतर बनाए रख सकते हैं। सकारात्मक सोच से हम हर कार्य कुशलता से कर सकते हैं । प्रारंभ में अतिथि परिचय सीए नयन जैन ने दिया। उपाध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने विभिन्न प्रश्नोत्तरी को संचालित किया। इस अवसर पर पीएसइसी कमेटी के सीए सम्बिज्ञ निशा ने भी संबोधित किया। आभार सीए विकास भंडारी ने माना।

## रोटरी क्लब ने अपना घर के बच्चों के साथ मनाई दीपावली

**मन्दसौर।** रोटरी क्लब मन्दसौर ने दीपावली का पर्व अपना घर के बच्चों के साथ मनाया। रोटरी क्लब अध्यक्ष योग गुरु सुरेन्द्र जैन ने कहा कि हर अंधकार से हमें लड़ना है, बच्चे अच्छे से पढाई करे तथा अपने जीवन को सार्थक करें। प्रोजेक्ट चेयरमेन विवेक जैन ने कहा कि सदैव अपनी सोच सकारात्मक रखे। प्रेमेंद्र चौरड़िया ने बच्चों से कहा कि मिल जुल कर एकता के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करें। मुख्य अतिथी पूर्व अध्यक्ष पवन पोरवाल ने कहा कि खुशियां बाटने से बढ़ती है। आपने क्लब द्वारा किये जा रहे लगातार सेवा कार्यो की तारीफ़ की। आपने कहा कि देह दान के मामले में रोटरी क्लब मंदसौर पुरे मंडल के 112 क्लबो में अव्वल है। उपाध्यक्ष भुपेन्द्र सोनी ने कहा कि जरूरतमंदो की सेवा में रोटरी का योगदान अग्रणीय है। प्रारंभ में रोटरी प्रार्थना की वाचन रो. संजय जैन ने किया। संचालन पूर्व अध्यक्ष रो. सीए दिनेश जैन ने किया। बच्चों के मध्य मिठाईया व पटाखे सीमा विवेक जैन द्वारा वितरित किये गये।

## श्री आदिनाथ जैन मंदिर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया

**मंदसौर।** श्री आदिनाथ जैन मंदिर दादावाड़ी नयापुरा पर खरतगच्छ श्री संघ ने भगवान महावीर स्वामी निर्वाण कल्याणक एवं गौतम स्वामी केवल ज्ञान कल्याण मनाया गया। गौतम रास का वाचन खरतरगच्छ पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र डोसी व सुनीता चौधरी ने किया। निर्वाण का लड्डू संघ के सभी महानुभावो द्वारा चढ़ाया गया। सभी ने मिलकर भगवान से सब जीवो के प्रति मंगल कामना की । भगवान महावीर स्वामी के संदेश जन जन के लिए प्रेणादायी व कल्याणकारी सिद्ध हो ।इस अवसर पर सकल जैन समाज अध्यक्ष दिलीप लोढ़ा, कमल कोठारी, समरथ लोढ़ा, अभय चोरडीया, अरविन्द बोथरा, बलवंत सिंह कोठारी, अभय डोसी, अनिल मुरडिया, धीरज लोढा, धर्मेंद्र चंडावला, प्रदीप लोढ़ा, सुरेश बाफना आदि समाजजन उपस्थित रहे।

# कुमावत क्षत्रिय महासभा के दीपावली मिलन समारोह में समाज सेवा को मिला सम्मान

**मंदसौर।** मंदसौर के नरसिंहपुर स्थित कुमावत धर्मशाला में कुमावत क्षत्रिय महासभा द्वारा भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों ने राम दरबार पर दीप प्रज्वलन कर और पुष्पमाला अर्पित कर की इसके बाद समाज के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का शाल,श्रीफल और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। समारोह में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी और समाजसेवी भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। समारोह के दौरान संतों की उपस्थिति में व जिलाध्यक्ष वरदीचंद छापरवाल

के नेतृत्व में समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाले समाज सेवको भेरुलाल कुमावत, मोहनलाल कुमावत, पंडित विनोद, नंदलाल पलिया, चेतन दास, कमल सेन, जिला धार्मिक उत्सव समिति के संरक्षक विनय दुबेला, विनोद मेहता, जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, समाजसेवी व पार्षद सुनील बंसल, मीडिया प्रभारी मुकेश आर्य, पत्रकार, राकेश भाटी आदि का सम्मान किया गया। मंच से समाज के वरिष्ठ संतों और प्रमुख अतिथियों ने अपने विचार रखे। जिसमें समाज को एकजुट और सशक्त बनाने की प्रेरणा दी गई उन्होंने समाज की एकता और सहयोग पर बल देते हुए सामूहिक प्रयासों की सराहना की। मुख्य अतिथि महंत श्री श्री 108 रामकिशोरदास जी महाराज तीनछत्री बालाजी धाम स्वामी श्री नारायणानंद जी (गुषानंद आश्रम )श्री रविप्रताप सिंह बुंदेला, कथा वाचक पंडित विष्णु शर्मा, अनिल कियावत, डॉ कमलेश कुमावत, सुनील बंसल, सुभाष गुप्ता, विनय दुबेला, परामर्शदाता राजू वात्रा सहित बड़ी संख्या समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ रहा, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने एक साथ भाग लिया और धार्मिक भावना के साथ आयोजन को और भी पवित्र बना दिया। कार्यक्रम में समिति के राजू कुमावत वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारतीय कुमावत क्षेत्रीय महासभा मन्दसौर, बाबू ढूंगरवाल, राजेश अडानिया, माणक अडानिया, ललित मंचिवाल, सत्यनारायण कुमावत, गोवर्धन कुराडिया (पार्षद), भैरूलाल अन्यावाडा, संतोष मुंडेल, मुकेश गोड़वाल, राजमल नागदा, हरिशंकर कुमावत, विजय कुमावत, बबलू कुमावत, ऋषभ कुमावत आदि उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन विनोद मेहता द्वारा कुशलता से किया गया, जबकि आभार वरदीचंद कुमावत ने माना।

# लिपिकवर्गीय कर्मचारी लेखा प्रशिक्षण के लिए 20 नवंबर तक करें आवेदन

**मंदसौर ।** जिला कोषालय अधिकारी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय एवं नगर निगम, नगर परिषदों के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए विभागीय लेखा प्रशिक्षण सत्र एक दिसम्बर 2024 से 15 फरवरी 2025(दस सप्ताह) तक लेखा प्रशिक्षण शाला उज्जैन में आयोजित किया जा रहा है। जिला कोषालय अधिकारी नेहा कलचुरी ने सभी जिला अधिकारियों को उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अप्रशिक्षित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में संबंधित कार्यालय प्रमुख के कवरिंग लेटर के साथ सीधे प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, उज्जैन, रघुवंशम भवन इस्कॉन मंदिर के पास भरतपुरी, उज्जैन(म.प्र.) को प्रेषित करने के निर्देश दिए है।

प्रशिक्षण के लिए पात्रता- लिपिकवर्गीय कर्मचारी की नियमित सेवा अवधि एक वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। सेवा शर्त के अनुक्रम में म.प्र.शासन शीघ्रलेखन तथा मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से हिंदी मुद्रलेखन, परीक्षा , ए.म.पी.एस.इ.डी.सी.से सी.पी.सी.टी.परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यदि विभागीय भर्ती नियमों में हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट प्रदान की गई हो, तो तत्संबंधी कार्यालय प्रमुख का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण शुल्क देय नहीं है, जबकि अर्द्धशासकीय , निगम एवं मण्डल कार्यालयों में पदस्थ नियमित पात्र कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु नामांकित होने पर राशि रूपये 2000/- प्रशिक्षण शुल्क लेखाशीर्ष 0070-60-800-0000 अन्य प्राप्तियों में जमा करना अनिवार्य होगा।

आवेदन पत्र 20 नवम्बर 2024 को शाम 5 बजे तक प्राप्त हो जाना चाहिए। प्रस्तावित प्रशिक्षण सत्र में क्षमता से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर शासकीय विभाग के लिपीकीय सेवकों को प्राथमिकता दी जाएगी। तत्पश्चात निगम, मण्डल के कर्मचारियों को आवेदन पत्र प्राप्ति की वरियता अनुसार (प्रथम आओं प्रथम पाओं के सिद्धांत पर) आवेदन स्वीकार किये जावेंगे एवं शेष आवेदकों को आमागी सत्र में प्राथमिकता दी जावेगी। लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश एवं परीक्षा तथा अग्रिम वेतनवृद्धी के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी नियम, निर्देश मान्य होंगे।

# सेन समाज का प्रतिभा सम्मान एवं दिपावली मिलन समारोह 5 को

**मंदसौर।** समाज की प्रतिभा समाज का गौरव होती है एवं समाजिक एकता से ही समाज की उन्नति संभव है। इसी पवित्र उद्देश्य को लेकर जिला सेन समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं दिपावली मिलन समारोह 5 नवंबर को प्रातः 11 बजे से कुशाभाउ ठाकरे ऑडिटोरियम में जनप्रतिनिधिगण, जिले की प्रतिभाए एवं समाजजनों की गरिमामयी उपस्थिती में हर्षोल्लास के साथ संपन्न होगी। उक्त जानकारी देते हुए सेन समाज संगठन के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र गेहलोत, जिला सचिव अशोक मकवाना, जिला कोषाध्यक्ष राम कुमार चौहान, युवाध्यक्ष जिला युवा सेन संगठन संजय चौहान, ने बताया कि पुर्व निर्धारीत योजना के अनुसार कार्यक्रम का स्वरूप भव्य बनाने के लिये रूपरेखा बनाई जा रही है। उक्त जानकारी देते हुए उन्होने बताया कि कार्यक्रम मे सत्र 2022-23, 2023-24 में कक्षा 10वी, 12वी, स्नातक स्नाकौत्तर बीएससी, एमएससी, बीटेक, एमटेक, एमबीबीएस, एम ई, बी ए एम एस, बी एच एम एस आदि समकक्ष परिक्षाओं मे 70 प्रतिशत अथवा 7 सीजीपीए से अधिक अंको से उर्त्तीण, जेई नीट, अथवा अन्य किसी परिक्षा के माध्यम से चयनित होकर जिले के बाहर अध्ययनरत् मेघावी छात्र-छात्राओं को सम्मानीत किया जायेगा। साथ ही खेल चित्रकला, नृत्य आदी गतिविधियों से समाज में जिले का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाओं को, सामाजिक क्षेत्र में सेवारत् समाज के चयनित सेवा भावी बंधुओं को एवं 1 जवनरी 2023 के पश्चात शासकीय सेवा निवृत हुए समाज के वरिष्ठजनों तथा जिले में समाज के मंदिरो की पुजन अर्चन करने वाले पुजारीयों का सम्मान किया जायेगा। साथ ही विवाह योग्य अविवाहित युवक युवतियों का बायोडाटा भी मंगवाया जा रहा है। जिससे उनकी जानकारी संकलित कर योग्य रिश्तो की जानकारी उन तक पहुचाई जा सकें। कार्यक्रम के पश्चात सभी का अन्नकुट प्रसादी का आयोजन रहेगा। । उक्त जानकारी मीडिया प्रमुख राजू परिहार (शामगढ़) मोहन सेन कछावा (मल्हारगढ़) तुलसीराम राठौर नाहरगढ़ ने प्रदान की।

# मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड मिलेगा

**मंदसौर ।** मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा।

आयोग ने 10 दिसम्बर 2024 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को यह पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे।

प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट एवं सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष 2024 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे।नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 से संबंधित विस्तृत विवरण (मेमोरेण्डम) कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट www.ceomad-hyapradesh.nic.in और जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट www.mpinfo.org पर उपलब्ध है। श्री राजेश कुमार सिंह, अवर सचिव (संचार), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 पर प्रस्ताव भेजे जा सकते हैं। संस्थान अपने प्रस्ताव मेमोरेण्डम में लिखी शर्तों का पालन करते हुए ई-मेल एड्रेस media-division@eci.gov.in पर भी भेज सकते हैं।

# खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा- श्रीमती पाटीदार

## राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ

**मन्दसौर ।** 68वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में हो रहा है । प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर थे।

प्रतियोगिता का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात राज्य स्तरीय खेल ध्वज के ध्वजारोहण से हुआ । इसके पश्चात पूरे प्रदेश के संभागों तथा जनजाति विभाग से आए खिलाड़ियों द्वारा सेंट थॉमस विद्यालय के बैंड पर मार्च फास्ट किया गया । महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय की छात्राओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया । इस दौरान शिक्षा

अधिकारी श्री लोकेंद्र डाबी, उत्कृष्ट प्राचार्य विनीता प्रधान जिला क्रिडा अधिकारी श्री बंसीलाल बारीवाल, खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विनीता प्रधान, विभिन्न समिति सदस्य जिले के प्राचार्य शिक्षक एवं शिक्षिका, विभिन्न विद्यालयों के खेल प्रशिक्षक तथा खेल अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में नो संभाग के 14 वर्ष के हॉकी बालिका वर्ग की 162 खिलाड़ी एव बेसबाल के 14 वर्ष के बालक बालिका वर्ग के 324 खिलाड़ियों द्वारा सहभागिता की जा रही है । इस प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु 20 समितियां का गठन किया गया है ।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार द्वारा कहा गया कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और खेलने से हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है । खिलाड़ियों को खेल भावना एवं नियमों का पालन की शपथ बेसबॉल की नेशनल चैंपियन कुमारी वशिका धाकड़ द्वारा दिलाई गई। अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में भगवान पशुपतिनाथ की रजत वर्ण प्रतिमा भेंट की गई । नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर कहा गया कि सभी को सदैव खेलकूद में

# प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्यन योजना के लिए ऑनलाईन आवेदन करे

**मंदसौर ।** जिला उप संचालक उद्यान द्वारा बताया गया कि उद्यमियों को व्यवसाय स्थापित करने के लिए PMFME योजनान्तर्गत लहसुन प्रसंस्करण उत्पाद जैसे गार्लिक पिलिंग, गार्लिक पेस्ट, पावडर, चिप्स, संतरा ज्यूस, हल्दी पावडर, मिर्च पावडर, आंवला अचार, मुरब्बा, अमरूद जैम, जैली तथा अन्य सभी प्रकार के प्रसंस्करण उत्पाद आईल मील, दाल मील, डेयरी उत्पादों से संबंधित इकाईयों का निर्माण करने हेतू वेबसाइड http://pmfme.mofpi.gov.in या https://agriinfra.dac.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है तथा ढ्ढश्च (एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड) योजनानर्गत प्राइमरी इकाई निर्माण जैसे cleaning, shorting, grading, milling, grinding, storage, drying, packing, cold, storage, pack house इत्यादि पर 03 प्रतिशत ब्याज ऋण पर अनुदान शासन द्वारा दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए विकासखण्ड अधिकारी श्री सुरेन्द्रसिंह धाकड़ प्रभारी मन्दसौर मो. 9753545634, सुश्री अंकिता मुंदड़ा प्रभारी मल्हारगढ़ मो. 7049015931, श्री बनवारी वर्मा प्रभारी सीतामऊ मो. 8817779538, श्री राजेश मईडा प्रभारी गरोठ मो. 8827688643, श्री भुपेन्द्र कटारे प्रभारी भानपुरा मो. 7067634432 पर संपर्क करें।

# अनुराग की पद यात्रा में बोले वक्ता ,अधिकार एवं कर्तव्य में सामंजस्य बिठाना होगा

**मन्दसौर (निप्र)** आम जनता, राजनेता, प्रशासन, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी सभी अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक दिखाई देते हैं और वे समय समय पर अपनी मांगे भी सरकारों के समक्ष रखते हैं किंतु वहीं दूसरी ओर यह देखा गया है कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति सजग दिखाई नहीं देते हैं । इसी कारण से हमारा देश जिस तेजी से विकास करना चाहिए वह नहीं कर पा रहा है ।

ठीक यही बात मन्दसौर नगर में स्वच्छता व जल संवर्धन को लेकर लागू होती है । यदि नगर पालिका प्रशासन व जनता मन्दसौर नगर के प्रति अपने अपने दायित्व को समझकर उसमें सामंजस्य स्थापित कर प्रयास किए जाएं तो निश्चित ही उत्कृष्ट परिणाम आएंगे और यही प्रयास ÷अनुराग÷ संस्था पिछले दो वर्षों से प्रतिमाह मन्दसौर नगर के

अलग अलग क्षेत्र में जागरूकता पदयात्रा के माध्यम से लगातार कर रही है । आशा है नगरपालिका प्रशासन इस गंभीर विषय को गंभीरता से लेगा ।

उक्त बात डॉ. देवेंद्र पुराणिक ने कही । वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे । अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में राजाराम तंवर, रामचंद्र रैकवार, श्रीचंद भावनानी, अभिभाषक तेजपालसिंह, अनिल श्रेत्रिय, रमेश सोनी, इंजी. सुनील व्यास, अजीजुल्लाह खान, इंजी. एस के जैन, बंशीलाल टांक आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया । संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया ।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com